रांची, सोमवार
02-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 169
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

राहुल गांधी बोले- ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे

ममता ने कहा- बंगाल में हारे नहीं, हराया गया ; सीईसी के खिलाफ 19 विपक्षी पार्टियों की रैली

□ एजेंसी नई दिल्ली

इंडिया ब्लॉक ने रविवार को दिल्ली में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में पहले मार्च और फिर रैली की। चार घंटे चले विरोध प्रदर्शन में 20 विपक्षी पार्टियां शामिल हुईं।

रामलीला मैदान में लेफ्ट नेता एमए बेबी, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, फारुक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आखिर में राहुल गांधी ने स्पीच दी।

राहुल ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी करवाई है, उन्हें जेल जाना होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वे पाताल में भी चले जाएं, उन्हें खोजकर लाएंगे। उन्हें छोड़ेंगे नहीं।

अखिलेश यादव ने यूपी का जिक्र कर कहा कि जो लोग कभी यूपी से आए थे, वो यूपी से ही जाएंगे। यूपी वाले स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई भी अच्छी करते हैं। 2027 में विदाई तय है।

पिछले 25 दिनों में विपक्ष इस मुद्दे पर सातवीं बार एकजुट हुआ था। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन कर चुके हैं।

राहुल गांधी ने कहा- हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है

राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है। उन्होंने कहा, न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है।

राहुल ने कहा- देश में जो बेचा है, उसका बदला लेंगे

राहुल गांधी ने कहा, %मैं आपको बताता हूं कि मोदी कहीं नहीं जा सकते, जाना भी चाहें तो हम कहीं नहीं जानें देंगे। ज्ञानेश कुमार के बाद हम आपके सामने खड़े होने जा रहे। आपने जो वोट चोरी की है उसके खिलाफ लीगल कार्यवाई होगी। देश को न्याय मिलेगा। राहुल ने ये भी कहा कि आपने अडाणी को जो देश बेचा है, उसका बदला लेंगे। आपको भागने नहीं देंगे, आप यहीं के यहीं रहोगे। कार्रवाई होकर रहेगी।

उन्होंने कहा, हममें और उनमें अंतर है, ये देश नफरत का नहीं है। हम मोदी-शाह ज्ञानेश से नफरत नहीं करते। हम मोहब्बत की दुकान खोलने वाले लोग हैं। मोदी-ज्ञानेश ने देश की आत्मा, संविधान, लोकतंत्र पर हमला किया है। हम ये स्वीकार नहीं करेंगे।

राहुल ने कहा- ज्ञानेश कुमार के बिना मोदी नहीं पीएम बनते

राहुल ने कहा, ज्ञानेश कुमार सीईसी पद से हटेगा, ज्ञानेश कुमार जेल जाएगा। ये आम चोरी नहीं है। किसी ने दुकान से छोटी चोरी कर ली, उसके लिए जेल होती है, ये नॉर्मल चोरी नहीं है, ये हिंदुस्तान के हर नागरिक की आवाज की चोरी है। उन्होंने कहा, इसको रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस कहते हैं। इसको देशद्रोह कहते हें। ज्ञानेश कुमार के बिना मोदी न पीएम बनते, न शाह गृह मंत्री बनते। आरएसएस ने देश की सारी संस्थाओ को कैप्चर कर लिया है।

राहुल ने कहा- 2024 का चुनाव अवैध था

राहुल गांधी ने कहा, 2024 के चुनाव के बाद 13.5 करोड़ वोटर्स वोटर लिस्ट से हटाए गए। सात में से एक वोटर को निकाला गया यानी 15त्न वोटर्स को लिस्ट से बाहर किया। 2024 में वोट परसेंट सिर्फ 3त्न था।

इसका मतलब है कि 2024 का चुनाव अवैध था। ये बात मैं नहीं कह रहा हूं, ये चुनाव आयोग का डेटा है वही कह रहा है। जो मैं कहता हूं कि वो सच होता है। मैंने कोविड के बारे में जो बोला, सच सामने आया।

राहुल गांधी ने कहा- आप संविधान से बड़े नहीं हो

राहुल गांधी ने कहा, %आपने देश को एक मैसेज भेजना था, मोदी शाह को आपने मैसेज भेजा है। यह किसी पार्टी की आवाज नहीं, ये सिर्फ नेताओं की आवाज नहीं। ये आवाज कह रही ह कि हम लोकतंत्र को देश से खत्म नहीं होने देंगे। हम संविधान को नष्ट नहीं होने देंगे। आपके पास जितना भी पैसा या पॉवर है, आप संविधान से बड़े नहीं हो।

राहुल ने ये भी कहा कि सालों से इस देश में वोट चोरी हो रही है। ममता ने बंगाल का उदाहरण दिया, एमपी हरियाणा छत्तीसड़ढ, महाराष्ट्र कर्नाटक और 2024 की लोकसभा सारे चुनावों में वोट चोरी हुई है। फारूक ने ये भी कहा कि हमें संघर्ष करना है, ताकि कोई भी भारतीय वोट से मरहूम न हो। हमें सिर्फ भगवान से डरना है, इनसे डरना नहीं है। हमें मिलकर साथ चलना होगा। ममता बोलीं- हम छोड़ेंगे नहीं, जिदंगी देंगे, हम लड़ेंगे। हमारा बंगाल लूट लिया गया। हम लोकतंत्र बचाएंगे। लोकतंत्र लूटा गया, अधिकार लूटा गया, इलेक्शन काउंटिंग लूटी गई।

महबूबा मुफ्ती बोलीं- ये कहीं पूरे देश को जम्मू-कश्मीर न बना दें

पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जो इस देश की समस्या है, उसको बदलना चाहते हैं, देश को बदलना चाहते हैं। आप आज नहीं बदलेंगे तो बहुत देर हो जाएगी। 2014 तक जितनी सरकारों ने संपत्ति बनाई थी उसे कारोबारी दोस्तों को दे दी। इन्होंने वादे किए थे कि नौकरियां देंगे जो आर्मी में शान से जाते थे, उन्हें भी अग्निवीर बना दिया।

फारूक अब्दुल्ला बोले- हमें सिर्फ भगवान से डरना है, इनसे नहीं

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम लोग यहां जमा हैं कि ये बताएं कि मुसलमानों पर ये हर वक्त उंगली उठाते हैं। कहते हैं कि ये पाकिस्तानी है। मैं भाजपा को कहना चाहता हूं कि हमने भारत के लिए खून दिया है। आगे भी देते रहेंगे। हमें इसी वतन में रहना है।जैसे अखिलेश जी ने कहा कि यूपी में एक करोड़ 27 लाख हिंदुओं को भी वोटर्स लिस्ट से हटा दिया क्या वो भी पाकिस्तानी हैं। ये अंबेडकर का संविधान है, इसमें हम सब बराबर हैं।

सीआईएसएफ ने सुरक्षा देने का 56 साल पुराना स्ट्रक्चर बदला

अब पावर-स्टील प्लांट, बंदरगाह के लिए अलग-अलग सेक्टर ; पहले जोन वाइज अफसर था

□ एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। फोर्स ने आज से अपने 56 साल पुराने टेरिटोरियल कमांड मॉडल को खत्म करके फंक्शनल सेक्टर मॉडल अपना लिया है।

फोर्स अब तक जोन के हिसाब से काम करती थी। जैसे - मुंबई जोन के एक ही अधिकारी के पास पावर प्लांट भी होता था और कोयला खदान भी। इससे सुरक्षा मिली-जुली रहती थी। नए मॉडल में एक जैसी इंडस्ट्रियल यूनिट को एक ही छतरी के नीचे लाया गया है। यानी देशभर के सारे पावर प्लांट, सारे स्टील प्लांट, सारे बंदरगाह अलग-अलग डेडिकेटेड सेक्टर के अधीन होंगे।

इस बदलाव का असर बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम और नैचुरल गैस यूनिट पर पड़ेगा। सरकारी इमारतों, संग्रहालयों, स्मारकों, समुद्री बंदरगाहों और दिल्ली मेट्रो जैसी की सुरक्षा के लिए कुल 11 सेक्टर बनेंगे।

सीआईएसएफ का दावा- काम अलग तो सुरक्षा भी अलग हो

अब तक सीआईएसएफ के फील्ड और प्रशासनिक ठिकाने जोनल आधार पर बने थे। इस वजह से एक ही फील्ड फॉर्मेशन अलग-अलग क्षेत्रों में बनी औद्योगिक इकाईयों की सुरक्षा संभालता था। उदाहरण के लिए, किसी फील्ड फॉर्मेशन के पास बिजली और कोयला क्षेत्र की इकाइयों की जिम्मेदारी एक साथ होती थी।

अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और एयरपोर्ट की सुरक्षा करने वाली सीआईएसएफइकाइयां इसका अपवाद थीं। ये पहले से एक ही कमांड के तहत थीं। सीआईएसएफ ने कहा कि इस बदलाव का मूल सिद्धांत यह है कि सुरक्षा केवल संपत्ति की जगह के आधार पर तय नहीं होनी चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि संपत्ति क्या काम करती है और उसके प्रभावित होने का देश पर क्या असर पड़ेगा।

पोर्ट सेक्टर के नाम भी बदले

इस बदलाव के तहत मुंबई मुख्यालय वाले सीआईएसएफ के वेस्टर्न सेक्टर का नाम बदलकर वेस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर कर दिया गया है। चेन्नई स्थित सदर्न सेक्टर का नाम ईस्ट कोस्ट पोर्ट सेक्टर किया गया है। 2025 में केंद्र सरकार ने ष्टढ्ढस्स्र को समुद्री बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए नोडल बल बनाया था।

एमबीए के छात्र ने चुराए कारों के टायर

महिंद्रा थार को बनाता था निशाना ; पुलिस ने 15 पहिए बरामद किए ; हैदराबाद का मामला

□ एजेंसी हैदराबाद

तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने कारों के टायर और रिम चोरी करने के आरोप में एक एमबीए छात्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 15 पहिए बरामद किए हैं। इनमें महिंद्रा थार के 12 पहिए शामिल हैं। आरोपी इसी गाड़ी के टायर चुराता था। जांच 20 अक्टूबर को मिली एक शिकायत के बाद शुरू हुई। शिकायत में बताया गया था कि रेथीबोवली के गैलेक्सी एन्क्लेव अपार्टमेंट के बाहर खड़ी महिंद्रा थार का पिछला टायर चोरी हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें एक युवक स्कूटर से आता दिखाई दिया। उसकी पहचान शोबान अली खान के रूप में हुई। फुटेज में वह थार के पीछे लगे स्टेपनी टायर को निकालता हुआ नजर आया। पुलिस ने शनिवार को शोबान को गिरफ्तार कर लिया।

मणिपुर में दो अलग घटनाओं में 5 की मौत

इनमें दो युवक 3 दिन से लापता थे, नोनी में घंटों फायरिंग; इस साल अब तक 100 मौतें

□ एजेंसी मणिपुर

मणिपुर में शनिवार को दो अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। नोनी जिले के केकरू नगा गांव में दो हथियारबंद गुटों के बीच कई घंटे तक गोलीबारी हुई। इसमें कुकी समुदाय के 3 लोगों की जान चली गई। वहीं, कांगपोकपी जिले में 29 अक्टूबर से लापता दो युवकों के शव रविवार को मिले। दोनों युवक ताफै कुकी गांव से लापता हुए थे। पहाड़ी इलाके में मिले शवों की पहचान की जा रही है। इस साल मणिपुर में हिंसा से जुड़ी घटनाओं में करीब 100 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा में 300 से ज्यादा लोगों की जान गई थी।

नोनी में दो गुटों के बीच कई घंटे तक गोलियां चलीं

नोनी जिले के केकरू नगा गांव में शनिवार सुबह दो विरोधी गुटों के बीच गोलीबारी शुरू हुई। पहाड़ी और जंगली इलाके में कई घंटे तक दोनों तरफ से गोलियां चलती रहीं। पुलिस ने कहा कि इलाके में हालात काबू में रखने के लिए जरूरी सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

कुकी समुदाय के संगठन कुकी इनपी मणिपुर ने नगा उग्रवादी गुटों पर हत्या का आरोप लगाया है। संगठन ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ केस-आरोपियों ने हमले में इस्तेमाल हुई बाइक 25 हजार में खरीदी

□ एजेंसी मुंबई

मुंबई क्राइम ब्रांच ने शनिवार को कहा कि टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में मास्टरमाइंड अनिल पंडित ने 25-30 बैंक अकाउंट्स में पैसे छिपाए थे। पुलिस ने दावा किया कि इन्हीं अकाउंट्स से अनिल ने अमर मुंडेलिया नाम के एक अन्य आरोपी को 25 हजार भेजे थे जिसके जरिए हमले में इस्तेमाल हुई बाइक खरीदी गई। मुंबई की विशेष कोर्ट ने अमर को 6 नवंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

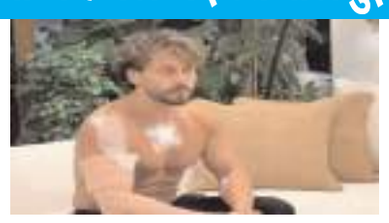

वह इस मामले में 12वां आरोपी है। दरअसल, मुंबई के जुहू में 18 अक्टूबर की शाम फुटबॉल खेलकर लौट रहे टाइगर की कार पर तीन बाइक सवारों ने फायरिंग की। हमले में टाइगर सुरक्षित रहे, जबकि उनका ड्राइवर घायल हो गया था।

लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित के इशारे पर हमले का आरोप

मुंबई पुलिस ने कोर्ट में दावा किया कि टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े अनिल पंडित के कहने पर की गई थी।

कार्रवाई प्रदूषण रोकने के लिए आज से पाबंदियां ; 9 साल में अक्टूबर की हवा सबसे साफ

दिल्ली-एनसीआर में 50% वर्क फॉम होम, पुरानी गाड़ियों पर रोक

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए 1 नवंबर से नई पाबंदियां लागू हो गई हैं। अब दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड से कम मानक वाली गाड़ियां राजधानी में नहीं आ सकेंगी। सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों में 50% कर्मचारियों को घर से काम करना होगा। वहीं, कई पब्लिक पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने की फीस दोगुनी कर दी गई है। हालांकि, राहत की बात है कि दिल्ली में अक्टूबर के दौरान पिछले 9 साल में सबसे साफ हवा दर्ज की गई। इस महीने औसत 166 रहा।

हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेगा विंटर प्लान

दिल्ली सरकार ने जुलाई 2026 में प्रदूषण रोकने के लिए विंटर प्लान को मंजूरी दी थी। इसके तहत हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण से जुड़े नियम लागू रहेंगे। इस बार भी 1 नवंबर से इन प्रतिबंधों की शुरुआत हो गई है। पहले प्रदूषण बढ़ने के बाद ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के तहत पाबंदियां लगाई जाती थीं। लेकिन अब कुछ नियम पहले से तय तारीख पर लागू होंगे। यानी हवा खराब होने का इंतजार नहीं किया जाएगा।

क्या है ग्रेप कब लागू हुआ था?

ग्रेप यानी ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान। इसे जनवरी 2017 में लागू किया गया था। इसका मकसद दिल्ली-एनसीआरमें हवा की गुणवत्ता खराब होने पर प्रदूषण के स्तर के हिसाब से पाबंदियां लगाना है। इसके तहत के आधार पर चार चरणों में प्रतिबंध लागू किए जाते हैं।

जामताड़ा जिले के 20 केंद्रों पर शांतिपूर्ण माहौल में हुई जेटेट की परीक्षा

डीसी-एसपी ने किया जेटेट परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण,प्रथम पाली में 89.79 और दूसरी पाली में 93.61 प्रतिशत अभ्यर्थी रहे उपस्थित

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी) 2026 को जिले में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रविवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक शम्भू कुमार सिंह ने वरीय अधिकारियों के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीसी एवं एसपी ने जेबीसी जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, एडवर्ड इंग्लिश स्कूल तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय पबिया स्थित परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया।

उन्होंने केंद्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से परीक्षा की निगरानी व्यवस्था का अवलोकन

किया तथा परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त स्टैटिक दंडाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों एवं अन्य कर्मियों को पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। उपायुक्त आलोक कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने को कहा। उल्लेखनीय है कि जिले के कुल 20 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में JTET 2026 का आयोजन किया गया। प्रथम पाली में उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए कुल 5984 अभ्यर्थियों में से 5373 उपस्थित हुए, जबकि 611 अनुपस्थित रहे।

इस प्रकार प्रथम पाली में 89.79 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। वहीं, द्वितीय पाली में प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) की परीक्षा में कुल 2772 अभ्यर्थियों में से 2595 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 177 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में उपस्थिति का प्रतिशत 93.61 रहा।

परीक्षा के दौरान सक्रिय रहा जिला नियंत्रण कक्ष

परीक्षा को शांतिपूर्वक एवं कदाचारमुक्त संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया। जिले के सभी 20 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण, पारदर्शी, कदाचारमुक्त वातावरण में सुव्यवस्थित ढंग से परीक्षा संचालित हुई। इस दौरान समाहरणालय स्थित सभागार में बनाया गया जिला नियंत्रण कक्ष पूरी तरह से सक्रिय रहा। अपर समाहर्ता सह वरीय नोडल पदाधिकारी श्रीमती पूनम कच्छप के द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष का सतत अनुश्रवण किया गया।

जिले में शांतिपूर्ण परीक्षा आयोजन को लेकर उपायुक्त ने सभी को दी हार्दिक शुभकामनाएँ

वहीं उपायुक्त आलोक कुमार ने जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा के शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर परीक्षा में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, केंद्राधीक्षकों, पुलिस पदाधिकारियों, वीक्षकों एवं अन्य संबंधित के अलावा जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बंधुओं को भी हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि सभी के आपसी समन्वय, कर्तव्यनिष्ठा एवं सक्रिय सहयोग से परीक्षा का सफलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित हो सका। वही निरीक्षण के दौरान एसडीओ अनंत कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए जुगनू मिंज, पुलिस उपाधीक्षक नीलम कुजूर, एसडीपीओ वसीम रजा सहित संबंधित परीक्षा केंद्रों के स्टैटिक दंडाधिकारी, केंद्राधीक्षक एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

समाचार सार

महागामा के छठ घाटों का डीसी-एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व सुविधाओं का लिया जायजा

गोड्डा(रफ्तार मीडिया संवाददाता): आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने महागामा क्षेत्र के विभिन्न तालाबों और छठ घाटों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, महागामा इंस्पेक्टर एवं थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने छठ घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि छठ पर्व से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।जिला प्रशासन ने छठ पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की बात कही है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण से छठ घाटों की तैयारियों में तेजी आने की उम्मीद है।

जामताड़ा झारखंड आंदोलनकारियों ने नारायणपुर व करमाटांड़ प्रखंड कमेटी का किया विस्तार

जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारी जामताड़ा जिला समिति के निदेर्शानुसार नारायणपुर पंचायत भवन में जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में नारायणपुर एवं करमाटांड़ प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोरथ मरांडी ने की। इस दौरान दोनों प्रखंडों के संगठन को मजबूत बनाने और आंदोलनकारियों को एकजुट करने के उद्देश्य से नई कमेटियों का गठन किया गया। नारायणपुर प्रखंड कमेटी में हेमंत मुर्मू को अध्यक्ष, ललित राय एवं बाणेश्वर मुर्मू को उपाध्यक्ष, सुनील हांसदा को सचिव, शिवलाल किस्कू एवं मंजुमुनी सोरेन को सह सचिव तथा अनिल हेंब्रम को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं करमाटांड़ प्रखंड कमेटी में दिनेश हांसदा को अध्यक्ष, जमाल हुसैन को सचिव एवं अख्तर अंसारी को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति एवं बहुमत के आधार पर किया गया। वही मौके पर जिला उपाध्यक्ष रॉबिन मिर्धा ने कहा कि झारखंड अलग राज्य का गठन आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। आंदोलनकारियों के सम्मान, अधिकार और उनके परिवारों के हितों की रक्षा के लिए संगठन को मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपील की कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन के विस्तार तथा आंदोलनकारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करें।इस अवसर पर सभी आंदोलनकारियों ने लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी रहीं रूपी सोरेन के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर झारखंड राज्य आंदोलन कमेटी के जिला उपाध्यक्ष आनंद लाल मरांडी, जिला सचिव अनिल सोरेन, जिला मंत्री जीते हांसदा, जिला महामंत्री हीरालाल सोरेन, जनसंपर्क सचिव जमाल अंसारी, कोषाध्यक्ष रोहनी मरांडी, मदन मुर्मू, शिवलाल मुर्मू, प्रखंड उपाध्यक्ष जनेश्वर हेंब्रम सहित विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में झारखंड आंदोलनकारी उपस्थित थे।

डीसी-एसपी ने परीक्षा केंद्रों और जिला नियंत्रण कक्ष का किया औचक निरीक्षण, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था भी परखी

मेदिनीनगर (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने को लेकर पलामू जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। रविवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत और पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों तथा जिला नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीसी और एसपी ने योध सिंह नामधारी महाविद्यालय, राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय (जिला स्कूल) सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, अनुशासन और व्यवस्थाओं की स्थिति देखी। वहीं, द्वितीय पाली की परीक्षा को लेकर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। जिला नियंत्रण कक्ष पहुंचकर दोनों अधिकारियों ने निगरानी व्यवस्था, सूचना के आदान-प्रदान और वहां तैनात कर्मियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा से संबंधित किसी भी शिकायत, सूचना या समस्या को हल्के में नहीं लिया जाए। ऐसी किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए वरीय अधिकारियों को अवगत कराया जाए, ताकि समय रहते समस्या का समाधान हो सके। उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने केंद्राधीक्षकों और प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि परीक्षा की पवित्रता और निष्पक्षता से किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन, सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के साथ परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को पूरी सतर्कता, जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। प्रशासन की ओर से परीक्षा के सफल संचालन को लेकर लगातार निगरानी रखी गई। मौके पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडेय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

गांडेय में जेएलकेएम का कुनबा मजबूत, बलकुडीह में दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने थामा पार्टी का दामन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के संगठन विस्तार को लेकर गांडेय प्रखंड के बुधुडीह पंचायत अंतर्गत बलकुडीह गांव के फुटबॉल मैदान में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष नंदू रवानी ने की। इस दौरान पार्टी की नीतियों व विचारधारा से प्रभावित होकर प्रखंड उपाध्यक्ष कुंदन वर्मा एवं बद्री मंडल की अगुवाई में दो दर्जन से अधिक (25) ग्रामीणों ने जेएलकेएम की सदस्यता ग्रहण की। सभी नए सदस्यों का पार्टी पदाधिकारियों ने ताली बजाकर संगठन में स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव यमुना मंडल, केंद्रीय युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव तथा केंद्रीय सचिव दिनेश मंडल उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर चल रही है और जनता अब बुनियादी हक-अधिकारों की बात करने वाले संगठन के साथ मजबूती से जुड़ रही है। ग्रामीणों ने पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो के विचारों और पार्टी की जनहितैषी नीतियों में आस्था जताते हुए दामन थामा।

बैठक में उपस्थित प्रखंड उपाध्यक्ष कुंदन वर्मा व बद्री मंडल ने कहा कि पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए लगातार जनसंपर्क चलाया जा रहा है, जिसका सकारात्मक असर अब धरातल पर दिखने लगा है। पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से स्टीफन हेमब्रम, प्रकाश हांसदा, परमेश्वर ठाकुर, रोहित वर्मा, अर्जुन मंडल, रामकिशोर पंडित, मिथिलेश यादव, इतवारी राणा, दिलीप कुमार तिवारी, मुन्ना राणा, मनोज पंडित सहित दर्जनों ग्रामीण शामिल हैं। इस अवसर पर प्रखंड उपाध्यक्ष बद्री मंडल, कोषाध्यक्ष मुकेश मंडल, प्रखंड सचिव मिथिलेश मंडल,मुन्ना राणा, मनोज पंडित समेत कई सक्रिय कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

सीआईएल एवं सीसीएल ने मनाया अपना 52वां स्थापना दिवस, कोल योद्धाओं के संकल्प एवं समर्पण को किया गया नमन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा आज दिनांक 01 नवंबर, 2026 को कोल इंडिया लिमिटेड एवं अपना 52वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आयोजित समारोह में निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं हितधारकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक, सीवीओ एवं अन्य उपस्थित कोलकर्मियों के द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर में सीसीएल ध्वज एवं क्षेत्रीय ध्वज फहराया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगीत एवं सीआईएल कॉर्पोरेट गीत का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर उत्साह एवं उमंग के प्रतीक स्वरूप गुब्बारे भी छोड़े गए। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने अपने संबोधन में सीआईएल एवं सीसीएल के गौरवशाली इतिहास, उपलब्धियों और विकास यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी की सफलता के पीछे इसके प्रत्येक कर्मी का समर्पण, कठिन परिश्रम और टीम भावना है। उन्होंने कहा कि सीसीएल केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामाजिक एवं सतत आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने सभी कर्मियों से

सुरक्षा, गुणवत्ता, नवाचार एवं पर्यावरण संरक्षण को अपनी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार ने अपने संबोधन में सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक ताकत उसकी कार्यसंस्कृति, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों में निहित होती है। उन्होंने कहा कि कोल कर्मियों की मेहनत, समर्पण और सामूहिक योगदान से ही कोयला उत्पादन के साथ-साथ देश के विकास और ऊर्जा आवश्यकताओं को गति मिलती है। सभी कर्मियों की निष्ठा, प्रतिबद्धता एवं सकारात्मक सोच ही संस्थान को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सीआईएल तथा सीसीएल की यह 52 वर्षों की यात्रा निरंतर मेहनत, समर्पण, नवाचार और राष्ट्र सेवा की भावना का प्रतीक है। कंपनी ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास एवं सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में भी निरंतर महत्वपूर्ण पहल कर रही है। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

वाया एरिना में भव्य बॉक्स नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन, विलिभ क्रिकेट एकेडमी बना चैंपियन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह। शहर के दरिडीह स्थित वाया एरिना में भव्य बॉक्स नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना, प्रतिभा और रोमांचक प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे आयोजन के दौरान क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन में तरनजीत सिंह खालसा, मोंटी गौतम, ध्रुव, फरकान, समर एवं अभिषेक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास से टूर्नामेंट का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची टाइटंस के मालिक सतविंदर सिंह सलूजा उपस्थित

रहे। साथ ही, देवेंद्र सिंह, चिरंजीव सिंह, मनोज जालान, डॉ. सुमन, अभिषेक सिन्हा एवं विवेक सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। टूर्नामेंट में विजेता टीम को मिलने वाली पुरस्कार राशि का प्रायोजन रांची टाइटंस द्वारा किया गया, जबकि उपविजेता टीम की पुरस्कार राशि जय माता दी मार्बल एवं दीपक किराना स्टोर द्वारा प्रायोजित की गई। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इसमें सचिन को बेस्ट बैट्समैन, ध्रुव को बेस्ट बॉलर, सौरव को प्लेयर ऑफ द सीरीज तथा विक्की को बेस्ट फील्डर के खिताब से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में विलिभ क्रिकेट एके-डमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रिंस वनांचल को 11 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। अंततः विलिभ क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। आयोजकों ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों, खिलाड़ियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र में क्रिकेट के प्रति उत्साह को प्रोत्साहित करना है। आयोजक मंडली ने भविष्य में भी इस तरह के भव्य खेल आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

धान की फसल देखने खेत गए ग्रामीण की हाथी कुचलने से मौत

मृतक के परिजनों को तत्काल एक लाख रुपये की सहायता, कागजी प्रक्रिया पूरी होने पर मिलेंगे तीन लाख रुपये अतिरिक्त

सुमन सिन्हा

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के टाटीझरिया प्रखंड अंतर्गत गोधिया गांव में जंगली हाथी के हमले से एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी महावीर यादव (लगभग 62 वर्ष) पिता स्वर्गीय जगन महतो के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रविवार की सुबह महावीर यादव अपनी धान की फसल देखने खेत की ओर गए थे। इसी दौरान अचानक जंगली हाथी से उनका सामना हो गया। हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक और भय का माहौल है। जंगली हाथी के हमले से ग्रामीणों में

दहशत फैल गई है। लोग जंगल और खेतों की ओर जाने से डर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह के समय धान की फसल देखने गए महावीर यादव को हाथी ने अचानक अपनी चपेट में ले लिया। घटना इतनी भयावह थी कि उन्हें बचने का मौका तक नहीं मिला।

वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की दी सलाह

घटना के संबंध में फॉरेस्टर संजीत कुमार ने ग्रामीणों से सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब हाथी अकेला होता

है, तो वह काफी आक्रामक और खतरनाक रूप ले सकता है। ऐसे में ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से सुबह और शाम के समय जंगल की ओर नहीं जाने की अपील की। साथ ही जंगली हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी परिस्थिति में हाथी के नजदीक जाने से बचने की सलाह दी।

मृतक के परिजनों को मिलेगी चार लाख रुपये की सहायता

हाथी के हमले में जान गंवाने वाले महावीर यादव के परिजनों को वन विभाग की ओर से तत्काल एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। वहीं, आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मृतक के आश्रितों को तीन लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि दी जाएगी। इस प्रकार मृतक के परिजनों को कुल चार लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में मानव और वन्यजीव संघर्ष की गंभीर स्थिति को उजागर कर दिया है। ग्रामीणों ने जंगली हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

चरही से अपहृत सीसीएल आउटसोर्सिंग कंपनी के मैनेजर को पुलिस ने सकुशल कराया बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग पुलिस की त्वरित कार्रवाई, मुफस्सिल और चंदवारा थाना क्षेत्र से अपहरण में प्रयुक्त स्कॉर्पियो व क्रेटा कार बरामद

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने अपहरण की एक बड़ी घटना का त्वरित उद्भेदन करते हुए चरही थाना क्षेत्र से अपहृत सीसीएल आउटसोर्सिंग कंपनी के मैनेजर भास्कर कुमार को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस अपहरण कांड में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त एक काले रंग की स्कॉर्पियो और एक क्रेटा कार भी बरामद की गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से अपहरण की घटना का कुछ ही समय में खुलासा हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 8:30 बजे तापिन साउथ सीसीएल परियोजना, चरही में एनईपीएल आउटसोर्सिंग कंपनी के मैनेजर भास्कर कुमार (35 वर्ष), पिता पंकज कुमार सिंह, निवासी धनबाद, का अपहरण कर लिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल अपहृत व्यक्ति की सकुशल बरामदगी के लिए विशेष टीम का गठन किया। इस टीम का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), हजारीबाग एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ़ ने किया। टीम में चरही थाना प्रभारी सहित विभिन्न थानों के पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल को शामिल किया गया। गठित टीम ने तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया और तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अपहरण में इस्तेमाल किए गए वाहनों की पहचान की। जांच में एक काले रंग की क्रेटा कार (खल02इड-3586) तथा दो काली स्कॉर्पियो के इस्तेमाल की बात सामने आई। इनमें एक स्कॉर्पियो का रजिस्ट्रेशन नंबर खल02अव-4625 बताया गया, जबकि दूसरी स्कॉर्पियो का नंबर पता नहीं चल सका। घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ के दौरान राजेश यादव, पिता बासुदेव यादव, निवासी भटबिघा, थाना चौपारण का नाम सामने आया। पुलिस ने तकनीकी सहयोग और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी शुरू की। इस दौरान मुफस्सिल थाना क्षेत्र से काले रंग की स्कॉर्पियो तथा चंदवारा थाना क्षेत्र से क्रेटा कार बरामद की गई। इसी कार्रवाई के क्रम में अपहृत भास्कर कुमार को चंदवारा थाना क्षेत्र से सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

पांच आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने अपहरण कांड में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राजेश यादव, पिता बासुदेव यादव, ग्राम भटबिघा, थाना चौपारण; विक्की कुमार, पिता जयप्रकाश मेहता, ग्राम जमुवारी, थाना ईचाक; आनंद कुमार मेहता, पिता नागेश्वर प्रसाद मेहता, ग्राम दाड़ीघाघर, थाना ईचाक; दिलीप प्रसाद मेहता, पिता चंदेश्वर प्रसाद मेहता, ग्राम बड़ासी, थाना मुफस्सिल तथा मनीष कुमार, पिता खालेश्वर महतो, ग्राम अलौंजा खुर्द, थाना ईचाक, जिला हजारीबाग शामिल हैं।

वाहन और पेन ड्राइव बरामद

पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त काले रंग की स्कॉर्पियो (खल02अव-4625), काले रंग की क्रेटा कार (खल02इड-3586) और एक पेन ड्राइव बरामद की है। पुलिस के अनुसार, मामले में चरही थाना कांड संख्या 88/26, दिनांक 01 नवंबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 140(3)/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

छापेमारी टीम में ये थे शामिल

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विष्णुगढ़, चरही थाना प्रभारी पु०अ०नि० अजीत कुमार, मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, आंगो थाना प्रभारी दीपक कुमार, पु०अ०नि० श्रवण कुमार पासवान, पु०अ०नि० फिलिप बारला, तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी तथा चरही थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। हजारीबाग पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपहरण की गंभीर घटना का सफलतापूर्वक उद्भेदन हुआ और अपहृत व्यक्ति को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुंचाने का रास्ता साफ हुआ।

समाचार सार

महिलाओं की पहल को आलोक चौरसिया का समर्थन, बैरिया में श्री बालाजी फिजियोथेरेपी एंड रिहैब सेंटर का भव्य शुभारंभ

मेदिनीनगर (रफ्तार मीडिया संवाददाता): मेदिनीनगर के बैरिया में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नई शुरूआत हुई है। चंद्रा रेजिडेंसी के समीप श्री बालाजी फिजियोथेरेपी एंड रिहैब सेंटर का डाल्टनगंज विधायक आलोक चौरसिया ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक ने महिला उद्यमिता की सराहना करते हुए संचालिकाओं का हौसला बढ़ाया। विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं। स्वरोजगार और उद्यमिता के जरिए आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। उन्होंने संचालिकाओं नीहारिका पांडेय, खुशबू पांडेय, नेहा अग्रवाल और जसप्रीत कौर को नई शुरूआत के लिए बधाई दी। विधायक ने उम्मीद जताई कि यह केंद्र बेहतर फिजियोथेरेपी और पुनर्वास सेवाएं देकर क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगा और अपनी अलग पहचान बनाएगा। मौके पर नगर मंडल अध्यक्ष श्रवण कुमार, भाजयुमो जिला अध्यक्ष बिपुल गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि मनोहर कुमार लाली, वार्ड पार्षद सोनू गुप्ता समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा की मासिक बैठक में संगठन मजबूती पर जोर, 4 नवंबर की रैली में जुटने का आह्वान

मनातू (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। भाजपा मनातू मंडल के शक्ति केंद्र चक में मंडल अध्यक्ष अरविंद यादव की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित की गई। संचालन मंडल उपाध्यक्ष लालदेव यादव ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंडल अध्यक्ष सतेन्द्र यादव मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर मजबूती और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। कार्यकताओं को आगामी कार्यक्रमों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस दौरान 4 नवंबर 2026 को डाल्टनगंज में आयोजित जिला स्तरीय 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई। मौके पर विधायक प्रतिनिधि उदेश कुमार यादव, सांसद प्रतिनिधि सचिन्द्रजीत सिंह सहित पच्चू सिंह, अनिल यादव, शशि भूषण कुमार, रवि, छोटू यादव, शंकर राम, अशोक यादव, महेश यादव, अखिलेश यादव, पिंटू यादव, आनंद प्रजापति और सुरेश चौधरी समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुनसान सड़क पर मिला महिला का शव, अवैध संबंध के विरोध पर हत्या का आरोप

बोकारो : बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत कुंदा पंचायत में एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। खखड़ा और जागेश्वर के बीच सुनसान सड़क पर महिला का शव पड़ा मिला। मृतका की पहचान चोरगांवा निवासी नीलू देवी के रूप में हुई है। परिजनों ने महिला के पति पर गांव की ही एक महिला के साथ अवैध संबंध और विरोध करने पर प्रताड़ित कर हत्या करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने हत्या करने की बात कही है वहीं पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस हत्या, हादसा समेत सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने भी प्रथम दृश्य हत्या किए जाने की बात कही है ,वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरा मरा सामने आने की भी बात कही है। खखड़ा से जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र के डाकासाडम जाने वाली मुख्य सड़क पर महिला का शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। सुनसान सड़क पर शव पड़े होने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना जागेश्वर बिहार पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रकाश यादव दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान चोरगांवा निवासी महेंद्र कुमार मंडल की पत्नी नीलू देवी, उम्र 38 वर्ष, के रूप में हुई है। थाना प्रभारी प्रकाश यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के परिजन चोरगांवा पहुंचे और जमकर हंगामा किया। मृतका के पिता रामेश्वर मंडल ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए अपने दामाद महेंद्र मंडल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता रामेश्वर मंडल के अनुसार, करीब 26 वर्ष पहले उनकी बेटी नीलू की शादी महेंद्र मंडल से हुई थी। नीलू के चार बेटे हैं। बड़ा बेटा दीपक कुमार शादीशुदा है और बिहारशरीफ में रहकर काम करता है, जबकि तीन नाबालिग बच्चे घर पर ही रहते हैं। रामेश्वर मंडल का आरोप है कि पिछले तीन-चार वर्षों से महेंद्र का गांव की ही एक महिला के साथ अवैध संबंध चल रहा था। नीलू देवी जब इसका विरोध करती थी, तो उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

ट्रैक्टर की ट्राली से टकराकर पलटी डीएसपी की कार, बाल-बाल बचे छत्तीसगढ़ के डीएसपी

बालूमाथ। रांची-चतरा एनएच-22 मुख्य पथ पर बालूमाथ प्रखंड कार्यालय के समीप टीवीएस शोरूम के सामने रविवार को एक सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ के डीएसपी की कार ट्रैक्टर की ट्राली से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार डीएसपी दिलीप घोसले बाल-बाल बच गए, जबकि उनके चालक मनोज यादव को मामूली चोटें आईं। मिली जानकारी के अनुसार, कार संख्या सीजी-15-ईजी-0985 पर सवार होकर छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के बगीचा निवासी डीएसपी दिलीप घोसले अपने चालक मनोज यादव के साथ छत्तीसगढ़ से पटना जा रहे थे। इसी दौरान बालूमाथ में अचानक एक ट्रैक्टर सड़क पर आ गया। इससे कार अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर की ट्राली से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सड़क पर पलट गई और उसके चारों पहिए ऊपर हो गए।घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक मनोज यादव को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने प्राथमिक उपचार किया, जिसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। वहीं डीएसपी दिलीप घोसले को किसी प्रकार की चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही बालूमाथ पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त कार को सीधा कराया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।

शिकारीपाड़ा में कड़ी सुरक्षा और शांति के बीच संपन्न हुई जेटेट परीक्षा, दोनों पालियों के सफल आयोजन से छात्रों के चेहरे खिले

रफ्तार मीडिया संवाददाता

शिकारीपाड़ा /दुमका: शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय समेत पूरे झारखंड क्षेत्र में रविवार को झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (खळएळ) संपन्न हो गई। शिकारीपाड़ा में पूरी तरह शांतिपूर्ण, कदाचार मुक्त और पारदर्शी माहौल में परीक्षा संपन्न हुई।स्थानीय प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था और पूरी मुस्तैदी के चलते शिकारीपाड़ा के सभी चारों परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन बेहद अनुशासित तरीके से किया गया। प्रशासन द्वारा परीक्षा को पूरी तरह नकलविहीन बनाने के लिए सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। केंद्रों के मुख्य द्वार पर ही ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा बलों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा परीक्षार्थियों की सघन तलाशी ली गई। उनके एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र का बारीकी से मिलान करने के बाद ही परीक्षार्थियों को केंद्र के भीतर प्रवेश करने की अनुमति दी गई। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई थी, जिसमें सुबह की पहली पाली और दोपहर की दूसरी पाली—दोनों ही चरणों में परीक्षा का संचालन पूरी तरह सुचारू रूप से चला। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती और सख्त निगरानी के कारण परीक्षा केंद्रों के आसपास पूरी तरह शांति व्यवस्था कायम रही, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब छात्र केंद्र के मुख्य द्वारों से बाहर निकले, तो उनके चेहरों पर भारी राहत और गजब का उत्साह साफ तौर पर देखा गया। लंबे समय से इस परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में पेपर बेहतर होने और परीक्षा के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने को लेकर काफी खुशी नजर आई। छात्रों ने परीक्षा की व्यवस्था पर संतोष जताते हुए इसे अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

देवघर के कल्याणपुर में 24 नवंबर से होगा सात दिवसीय भव्य श्री विष्णु यज्ञ एवं रास मेला, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की दिखेंगी आकर्षक झांकियां

रफ्तार मीडिया संवाददाता

देवघर : धार्मिक नगरी देवघर के कल्याणपुर स्थित राधाकृष्ण धाम में सात दिवसीय भव्य श्री विष्णु यज्ञ एवं रास मेला का आयोजन होने जा रहा है। वर्ष 1981 में स्थापित सार्वजनिक देवघर नगर रास मेला समिति की ओर से आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान आगामी 24 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। समिति के संस्थापक स्वर्गीय डेगलाल वर्मा की प्रेरणा से वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा को इस वर्ष भी भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है। सात दिवसीय इस धार्मिक आयोजन के दौरान वैदिक विधि-विधान से हवन-पूजन, कथा और रास मेले का आयोजन किया जाएगा। वहीं, रासलीला के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ी विभिन्न लीलाओं की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। इन झांकियों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से लेकर बाल लीलाएं, माखन चोरी, गोवर्धन लीला, राधा-कृष्ण की रासलीला और अंत में कंस वध जैसे प्रसंगों का जीवंत मंचन आकर्षण का केंद्र रहेगा। धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं का दर्शन करने का अवसर मिलेगा। समिति की ओर से समस्त धर्मप्रेमी जनता एवं नगरवासियों से इस सात दिवसीय श्री विष्णु यज्ञ एवं रास मेले में शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने और पुण्य के भागी बनने की अपील की गई है। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य कर्मवीर वर्मा, कन्हैया वर्मा, अमर राम, अनक राज, मुन्ना वर्मा, सूरज दयाल राम, गौरव कुमार, शैलेश कुमार, परमानंद वर्मा, चंदन वर्मा और अमित कुमार सहित अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

10 दिन में दो मौतों से टूटा परिवार, सुदेश कुमार महतो ने बंधाया ढांढस

- पंकज महतो के घर पहुंचे सुदेश, जताया शोक
- 10 दिन में दो बुजुर्गों की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

रफ्तार मीडिया संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड के गोंदलीपोखर बेड़वारी में रविवार को आजसू पार्टी सुप्रीमो एवं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने पार्टी के पूर्व जिला सचिव पंकज कुमार महतो के आवास पहुंचकर उनके पिता जगन्नाथ महतो और चाचा मनीराम महतो के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन घड़ी में धैर्य बनाए रखने की अपील की। साथ ही दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान सुदेश कुमार महतो ने कहा कि एक ही परिवार में महज 10 दिनों के भीतर दो बुजुर्गों का दुनिया से चले जाना बेहद पीड़ादायक और हृदय को झकझोर देने वाली घटना है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने परिजनों को इस कठिन समय में हरसंभव हिम्मत बनाए रखने का भरोसा दिया।मालूम हो कि पंकज कुमार महतो के पिता व्यवसायी जगन्नाथ महतो (78) लंबे समय से बीमार चल रहे थे।इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। वहीं, उनके चाचा एवं अजीत कुमार महतो के पिता व्यवसायी मनीराम महतो (75) सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। महज 10 दिनों के अंतराल में दोनों बुजुर्गों के निधन से परिवार के साथ पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।दोनों अपने सफल व्यावसायिक कार्यों और सामाजिक व्यवहार के लिए जाने जाते थे। मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता संजय मेहता, जलनाथ चौधरी, जगरनाथ महतो, ज्योतिष महतो, गोवर्धन महतो, अर्जुन राम और सतीश महतो उपस्थित थे। वहीं, शोकाकुल परिवार की ओर से सरोज देवी, प्रभा देवी, जलेश्वरी देवी, जानकी देवी, प्रीति कुमारी, पंकज कुमार महतो, अजीत कुमार महतो, कृष्णा महतो, सुजीत महतो, आकाश महतो, विकास महतो और सुधांशु महतो सहित अन्य परिजन मौजूद थे।

दिल्ली की महारैली में झारखंड कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की दमदार मौजूदगी

रांची/नई दिल्ली (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में शनिवार को आयोजित कांग्रेस की महारैली में झारखंड की भी दमदार भागीदारी देखने को मिली। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष हुसैन खान अपनी पूरी टीम के साथ महारैली में शामिल हुए और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया। हुसैन खान के नेतृत्व में झारखंड से पहुंचे कांग्रेस कार्यकताओं ने महारैली में बढ़-चढ़कर भागीदारी की। इस दौरान कार्यकताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी, अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकताओं की सक्रिय मौजूदगी ने संगठन की मजबूती और एकजुटता को प्रदर्शित किया। रामलीला मैदान में आयोजित इस महारैली में देशभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और हजारों कार्यकताओं का जनसैलाब उमड़ा था। इसी कड़ी में झारखंड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रही। हुसैन खान ने अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर संगठनात्मक एकजुटता और अल्पसंख्यक समाज की कांग्रेस के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। इस मौके पर हुसैन खान ने कहा कि राहुल गांधी देश के संविधान, लोकतंत्र और भाईचारे को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं और पूरा अल्पसंख्यक विभाग उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि झारखंड से हम लोग दिल्ली यह बताने आए हैं कि राहुल गांधी अकेले नहीं हैं, पूरा झारखंड उनके साथ है। महारैली के बाद झारखंड से गए कार्यकताओं में काफी उत्साह देखा गया। कार्यकताओं ने कहा कि दिल्ली से लौटकर वे संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत करने का काम करेंगे।

धनबाद के 108 केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई जेटेट 2026 परीक्षा 48 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने दो पालियों में लिया हिस्सा

डीसी और एसएसपी ने खुद संभाली कमान, विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

कदाचारमुक्त और पारदर्शी माहौल में परीक्षा संपन्न होने पर जिला प्रशासन ने ली राहत की सांस, परीक्षार्थियों ने भी व्यवस्था को सराहा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा जेटेट 2026 रविवार को पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हो गई है। जिले भर में बनाए गए कुल 108 परीक्षा केंद्रों पर 48 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने शिक्षक बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए दो पालियों में परीक्षा दी। परीक्षा को लेकर सुबह से ही प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

दो पालियों में हुई परीक्षा, डीसी-एसएसपी ने किया निरीक्षण

निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई थी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली, जिसमें कक्षा 6वीं से 8वीं तक के शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा ली गई। वहीं, दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित हुई, जिसमें कक्षा 1 से 5वीं तक के शिक्षक पद के लिए अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या नकल की गुंजाइश को पूरी तरह खत्म करने के लिए खुद उपायुक्त (डीसी) आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार ने मोर्चा संभाला। दोनों शीर्ष अधिकारियों ने शहर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और वहां सुरक्षा व्यवस्था, जैमर, सीसीटीवी तथा बायोमेट्रिक जांच की प्रक्रिया का बारीकी से जायजा लिया।

अभ्यर्थियों ने व्यवस्था को बताया बेहतर

परीक्षा संपन्न होने के बाद केंद्र से बाहर निकले कई अभ्यर्थियों ने प्रशासनिक व्यवस्था की सराहना की। अभ्यर्थियों के मुताबिक, केंद्रों पर पेयजल, बैठने और रोशनी की उचित व्यवस्था की गई थी, जिससे उन्हें परीक्षा देने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

प्रशासन ने जताया संतोष

निरीक्षण और परीक्षा समाप्ति के बाद डीसी आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन की पुष्टि की। जिला प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि पहले से की गई व्यापक प्रशासनिक तैयारियों के चलते जिले के सभी 108 केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई और कहीं से भी किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं मिली। इस सफल आयोजन के बाद जिला प्रशासन ने पूरी तरह राहत की सांस ली है।

संक्षिप्त ख़बरें

महिला से कथित दुष्कर्म के विरोध में भाजपा का प्रदर्शन, हेमंत सोरेन का पुतला फूंका

◈ थाने में महिला के साथ कथित दुष्कर्म की घटना पर भाजपा आक्रोशित, सरकार से मांगा इस्तीफा

एहसान राजा संवाददाता

ओरमांझी:सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में महिला के साथ कथित दुष्कर्म की घटना को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। घटना के विरोध में रविवार को भाजपा ओरमांझी मंडल अध्यक्ष शंकर महतो के नेतृत्व में शास्त्री चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रणधीर चौधरी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब थाने में ही महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसी घटना के लिए राज्य सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। वहीं, प्रदेश नेता अमरनाथ चौधरी ने कहा कि एक ओर सरकार महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की बात करती है, जबकि दूसरी ओर न्याय की गुहार लेकर थाने पहुंची महिला के साथ कथित दुष्कर्म की घटना सामने आना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने राज्य सरकार से मामले में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।पुतला दहन कार्यक्रम में मानकी राजेंद्र शाही मुंडा, राजेश गुप्ता, दीपक बड़ाइक, उप मुखिया संतोष गुप्ता,रोहित साहू, अलखनाथ महतो, संतोष कुमार गुप्ता, रमेश वेदिया, शशि मेहता, आनंद महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

उमेश कुमार बड़ाईक ने कड़िया मुंडा से लिया आशीर्वाद

◈ सीएनटी एक्ट के बावजूद जमीन की लूट पर उठाए सवाल

अनगड़ा : ग्राम प्रधान संघ के रांची जिला अध्यक्ष उमेश कुमार बड़ाईक ने लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ आदिवासी नेता कड़िया मुंडा से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने झारखंड में आदिवासियों और गरीबों की जमीन की सुरक्षा तथा कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़ी गंभीर समस्याओं को उनके समक्ष रखा।मुलाकात के दौरान उमेश कुमार बड़ाईक ने कहा कि राज्य में भूमि एवं पारंपरिक व्यवस्था की रक्षा के लिए कानून लागू हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अधिकारियों की उदासीनता के कारण आम लोगों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि सीएनटी एक्ट लागू होने के बावजूद कई क्षेत्रों में धड़ल्ले से जमीन की खरीद-बिक्री हो रही है। इससे गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की जमीन पर अवैध कब्जे तथा जबरन जमीन छीनने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कानून केवल कागजों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी के साथ पालना सुनिश्चित करनी चाहिए। आदिवासियों और गरीबों की पुश्तैनी जमीन की रक्षा करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने इस दिशा में ठोस पहल और दोषी लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर कड़िया मुंडा से मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करते हुए उमेश कुमार बड़ाईक ने जनहित के मुद्दों को आगे भी मजबूती से उठाने का संकल्प व्यक्त किया।मुलाकात के दौरान पंचम कुमार सरोज भी उपस्थित थे।

दारुदा हादसे का खुलासा, बाइक सवार को टक्कर मारने वाला ट्रैक्टर जब्त

बिद्युत महतो / रफ्तार मीडिया संवाददाता, ईचागढ़

सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह थाना क्षेत्र के दारुदा गांव के समीप 24 अक्टूबर को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत के मामले में पुलिस को अहम सफलता मिली है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन की पहचान कर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुकड़ू प्रखंड के छोटालापांग गांव निवासी मनोरंजन महतो (35), पिता स्वर्गीय गुरूचरण महतो, 24 अक्टूबर 2026 को कुकड़ू बाजार से अपनी मोटरसाइकिल (संख्या JH22J-7355) से घर लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब छह बजे दारुदा गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मनोरंजन महतो गंभीर रूप से घायल हो गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद तिरुलडीह थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन की पहचान ट्रैक्टर के रूप में की। इसके बाद संबंधित ट्रैक्टर को विधिवत जब्त कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की अग्रतर जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

दिल्ली की महारैली में झारखंड कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की दमदार मौजूदगी, हुसैन खान ने राहुल गांधी के समर्थन में भरी हुंकार

रफ्तार संवाददाता

राँची/नई दिल्ली, 1 नवंबर।* दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में शनिवार को आयोजित कांग्रेस की महारैली में झारखंड की भी दमदार भागीदारी देखने को मिली। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष हुसैन खान अपनी पूरी टीम के साथ महारैली में शामिल हुए और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वान किया।

हुसैन खान के नेतृत्व में झारखंड से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महारैली में बढ़-चढ़कर भागीदारी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी, अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ताओं की सक्रिय मौजूदगी ने संगठन की मजबूती और एकजुटता को प्रदर्शित किया।

रामलीला मैदान में आयोजित इस महारैली में देशभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और हजारों कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ा था। मंच से केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ हुंकार भरी गई और

देश में संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा का संकल्प लिया गया। इसी कड़ी में झारखंड के प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी महत्वपूर्ण रही। हुसैन खान ने अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर संगठनात्मक एकजुटता और अल्पसंख्यक समाज की कांग्रेस के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

इस मौके पर हुसैन खान ने कहा कि राहुल गांधी देश के संविधान, लोकतंत्र और भाईचारे को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं और पूरा अल्पसंख्यक विभाग उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि झारखंड से हम लोग दिल्ली यह बताने आए हैं कि राहुल गांधी अकेले नहीं हैं, पूरा झारखंड उनके साथ है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और उनकी निडर आवाज ने देश के अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों में एक नई उम्मीद जगाई है। हुसैन खान ने आगे कहा कि रांची महानगर अल्पसंख्यक विभाग लगातार बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने में लगा है। दिल्ली की महारैली ने कार्यकर्ताओं में नया जोश भर दिया है। यहां से जो संदेश मिला है, उसे हम झारखंड के हर जिले, हर प्रखंड और हर वार्ड तक लेकर जाएंगे। कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सभी धर्मों को साथ लेकर चलती है और अल्पसंख्यकों की हक की बात करती है।

रांची से गए प्रतिनिधिमंडल में कई वरिष्ठ कार्यकर्ता, युवा नेता और वार्ड स्तर के पदाधिकारी शामिल थे। सभी ने हाथों में कांग्रेस का झंडा और राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाते हुए महारैली में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। रांची महानगर की टीम की अनुशासित और संगठित भागीदारी की दिल्ली में भी चर्चा होती रही।

न्याय मांगने पहुंची महिला से दुष्कर्म मामले से झारखंड शर्मसार, राज्य में रक्षक ही बने भक्षक : नीरा यादव

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

◈ महिला आयोग छह वर्षों से अधिक समय से खाली, अपराध पर लगाम लगाने में सरकार विफल, रविवार को सभी 595 सांगठनिक मंडलों में होगा मुख्यमंत्री का पुतला दहन

रफ्तार संवाददाता

राँची : झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री एवं कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना में न्याय की गुहार लेकर पहुंची महिला के साथ पुलिसकर्मी द्वारा दुष्कर्म की घटना को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। कहा कि यह घटना केवल एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं, बल्कि पुलिस व्यवस्था और राज्य सरकार की जवाबदेही पर गंभीर सवाल है। श्रीमती यादव भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रही थीं।

श्रीमती यादव ने कहा कि राज्य सरकार सबसे पहले पीड़िता को त्वरित न्याय दिलाना सुनिश्चित करे। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य की महिलाओं और आम जनता को यह बताएं कि झारखंड में ध्वस्त हो चुकी कानून-व्यवस्था का इकबाल दोबारा कैसे स्थापित होगा? जब तक अपराधियों के मन में कानून का भय नहीं होगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधरने वाली नहीं है। उन्होंने इस पूरे मामले में राज्य सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की। साथ ही उन्होंने घोषणा किया कि इस शर्मनाक घटना के विरोध में रविवार की शाम राज्य के सभी सांगठनिक 595 मंडलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया जाएगा।

श्रीमती यादव ने कहा कि पति-पत्नी के आपसी विवाद में एक महिला न्याय की गुहार लेकर थाना पहुंचती है। रात हो जाने और असुरक्षा के भय से वह थाना परिसर में ही रुक जाती है। उसे भरोसा था कि पुलिस की मौजूदगी में वह सुरक्षित रहेगी। उसे क्या पता था कि जिस खाकी वर्दी पर सुरक्षा की जिम्मेदारी है, उसी वर्दी में बैठा व्यक्ति उसकी अस्मिता पर हमला करेगा। रक्षक ही भक्षक बन जाएगा। उन्होंने कहा कि संकट के समय पुलिस को देखकर लोगों को भरोसा होता था कि अब उनकी सुरक्षा हो जाएगी, लेकिन इस घटना ने पुलिस की उस साख और जनता के उस विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा का जोरदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन

◈ गम्हरिया की घटना के विरोध में जमुआ में जताया आक्रोश, दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं पीड़िता को न्याय दिलाने की उठाई मांग

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा (गिरिडीह)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र में महिला के साथ कथित दुष्कर्म की घटना को लेकर रविवार को जमुआ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। यह विरोध प्रदर्शन भाजपा गिरिडीह जिला ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र वर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष महेंद्र वर्मा ने मीडिया को दिए बयान में घटना स्थल को नावाडीह बताया, जबकि संबंधित घटना गम्हरिया थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई है। इस मामले पर जमुआ झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रंजीत राम ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया, लेकिन उन्हें घटना के वास्तविक स्थान की जानकारी तक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के नाम पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। रंजीत राम ने कहा कि जिस क्षेत्र में घटना हुई है, वहां के पुलिस अधीक्षक एवं वरीय पुलिस पदाधिकारियों ने मामले में त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि किसी भी घटना पर राजनीति करने के बजाय पीड़िता को न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। घटना को लेकर भाजपा और झामुमो के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। प्रदर्शन में जमुआ मंडल अध्यक्ष बाल गोविंद यादव, परमेश्वर यादव, रविशंकर राय, राजेंद्र राय, अशोक सिंह, सुमन सिन्हा, वीरेंद्र गुप्ता, रोहित सिंह सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा:

डीसी व एसपी ने 50 परीक्षा केंद्रों का लिया जायजा, कदाचारमुक्त आयोजन के निर्देश

आशीष कुमार मुखर्जी रफ्तार/ मीडिया

रामगढ़। झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक), रांची के तत्वावधान में रविवार को आयोजित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी)-2026 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ऋतुराज एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में प्रशासनिक व पुलिस महकमे के आला अधिकारियों ने डिवाइन ओंकार मिशन तथा राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल सहित कई प्रमुख परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान अधिकारियों ने केंद्रों पर परीक्षार्थियों के प्रवेश, सघन जांच, बैठक व्यवस्था, पेयजल सहित सुरक्षा व्यवस्था व विधि-व्यवस्था संधारण का बारीकी से मुआयना किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ऋतुराज ने परीक्षा कार्य में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों व पुलिस कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार व आयोग द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो और केंद्र के भीतर स्वच्छ व शांत माहौल बना रहे।

वहीं, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस पदाधिकारियों को परीक्षा केंद्रों के इर्द-गिर्द कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्रों की परिधि में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। विधि-व्यवस्था भंग करने या संदिग्ध गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल राँची ने 9वीं बी. के. बिरला ताइक्वांडो चैंपियनशिप में ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता

रफ्तार मीडिया संवाददाता : बबलु मुश्ताक ..

राँची/नामकुम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची में आयोजित दो दिवसीय 9वीं बी. के. बिरला राँची जिला अंतर-विद्यालयीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026–27 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। राँची जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 30 से अधिक विद्यालयों के 400 से अधिक युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालक एवं बालिका वर्ग के अंतर्गत अंडर-14, अंडर-17 तथा अंडर-19 श्रेणियों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिनमें खिलाड़ियों ने अपने कौशल, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया।सभी प्रतिभागियों ने अनुशासन, एकाग्रता और संघर्षशीलता के साथ विभिन्न स्पर्धाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को कुल 480 पदक एवं ट्रॉफियाँ प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंडर-14 श्रेणी में आइडियल इंटरनेशनल स्कूल, राँची ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, अनगड़ा द्वितीय स्थान पर रहा।अंडर-17 श्रेणी में सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची ने प्रथम तथा कैरासी स्कूल, राँची ने द्वितीय स्थान हासिल किया, वहीं अंडर-19 श्रेणी में शारदा ग्लोबल, राँची ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सी.आर.पी.एफ., राँची द्वितीय स्थान पर रहा।समग्र पदक तालिका एवं खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया। साथ ही आचार्यकुलम, राँची को प्रथम उपविजेता तथा शारदा ग्लोबल स्कूल, राँची को द्वितीय उपविजेता का खिताब प्रदान किया गया। विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों के समर्पण, परिश्रम और लगन की सराहना की।

ऑल इंडिया टैलेंट सर्च फाउंडेशन के 'सामर्थ्य 2026' में पहुंचे अभिनेता चंकी पांडे, गोविंदपुर में बिखेरा जलवा

गोवर्धन रजक रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद:धनबाद की छिपी हुई प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने और उनके सपनों को नई 'उड़ान' देने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय महामहोत्सव सामर्थ्य 2026: हुनर का महामहोत्सव का भव्य समापन हो गया है। इस प्रतिष्ठित आयोजन के समापन एवं उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाने के लिए बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता चंकी पांडे रविवार को विशेष रूप से धनबाद पहुँचे। उनके आगमन से पूरे क्षेत्र में उत्साह और उत्सव का माहौल देखने को मिला।

◈ दुर्गापुर से सड़क मार्ग द्वारा पहुंचे धनबाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे मुंबई से अपनी यात्रा पूरी करने के बाद दुर्गापुर पहुँचे। वहाँ से वे दुर्गापुर हवाई अड्डा होते हुए सड़क मार्ग द्वारा सीधे गोविंदपुर के राज

विलास' रिसॉर्ट पहुँचे। रिसॉर्ट पहुँचने पर उनके प्रशंसकों और कार्यक्रम के आयोजकों ने उनका गर्मजोशी के साथ जोरदार स्वागत किया।

◈ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ भव्य शुभारंभ

गोविंदपुर के कोवा बांध स्थित 'राज विलास' रिसॉर्ट में आयोजित इस भव्य समारोह का औपचारिक आगाज मुख्य अतिथि अभिनेता चंकी पांडे** और विशिष्ट अतिथि प्रदीप कुमार दास (सेवानिवृत्त न्यायिक सदस्य, ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर ऑल इंडिया टैलेंट सर्च फाउंडेशन के संस्थापक, अध्यक्ष और फाउंडेशन के तमाम गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजकों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस महामहोत्सव के जरिए धनबाद के 4,973 सरकारी एवं निजी स्कूलों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा रही है।

अभावों और सीमित संसाधनों में पलने वाले प्रतिभावान बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए 'सामर्थ्य 2026' के तहत गायन, नृत्य और अन्य कला विधाओं में 'टैलेंट हंट' का आयोजन किया गया था।

सीयूएसबी में राष्ट्रीय युवा संसद 'संवाद 2.0' का आयोजन, 57 प्रतिभागियों ने लिया भाग

रफ्तार मीडिया/ गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जी::दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) गया जी के स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस (एसएलजी) की ओर से राष्ट्रीय युवा संसद 'संवाद 2.0' का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण और विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पश्चिम चंपारण के पांच बार के सांसद एवं प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्य अतिथि डॉ. संजय जायसवाल ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की आत्मा असहमति के अधिकार में निहित है। उन्होंने कहा कि किसी विषय पर अपनी बात रखने के साथ-साथ उसका गहन ज्ञान होना भी जरूरी है। केवल कानून की किताबें पढ़ लेने से कोई अच्छा अधिवक्ता नहीं बन सकता। उन्होंने युवाओं को सत्य बोलने, गलत बातों का विरोध करने और गरीबों व जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राजनीति जनसेवा का माध्यम है और इससे मिलने वाली संतुष्टि महत्वपूर्ण है।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए जनप्रतिनिधियों की भूमिका और उनके दायित्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. संजय जायसवाल न केवल सही रास्ता जानते हैं और दूसरों को दिखाते हैं, बल्कि स्वयं भी उस पर चलते हैं। समापन के दौरान कुलपति ने प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए सभी को बधाई दी। विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार ने अतिथियों, शिक्षकों, आयोजन

समिति और विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

युवा संसद की कार्यवाही में प्रतिभागियों ने वास्तविक संसद की तर्ज पर विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य, आतंकवाद के खिलाफ संकल्प, डिजिटल एवं जाति जनगणना और महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण जैसे विषय उठाए। वहीं, नेता प्रतिपक्ष ने बेरोजगारी और परीक्षा प्रश्नपत्र लीक का मुद्दा उठाया। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद पर विचार रखे। प्रश्नकाल में विदेश नीति, कानून, शिक्षा, कृषि, खेल और पर्यावरण से जुड़े सवाल पूछे गए। विधि मंत्री ने पॉक्सो मामलों के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों तथा बीएनएसएस की धारा 479 पर जानकारी दी, जबकि शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, छात्रवृत्ति और पीएम विद्यालक्ष्मी योजना से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में पॉक्सो (संशोधन) विधेयक भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्री अंजनी कुमार घोष और डॉ. एस. पी. सिंह ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। डॉ. एस. पी. सिंह ने सुरक्षा चुनौतियों, ग्लोबल साउथ, खेल, न्यायपालिका, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और जी-20 जैसे विषयों पर पूछे गए सवालों को उत्कृष्ट बताया। श्री मणि प्रताप ने धन्यवाद ज्ञापन किया, जबकि डॉ. एस. पी. सिंह ने परिणामों की घोषणा की।

प्रतियोगिता में ज्योति प्रियदर्शिनी (विदेश मंत्री) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आकांक्षा (शिक्षा मंत्री) दूसरे, अनिरुद्ध सिन्हा (विपक्ष के सदस्य) तीसरे, प्रज्ञा (अध्यक्ष) चौथे, आर्यश्री (गृह मंत्री) पांचवें और इरफान महरूफ (विपक्ष) छठे स्थान पर रहे। विजेताओं को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, मुख्य अतिथि डॉ. संजय जायसवाल और विभागाध्यक्ष द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर जिला अग्निशमन कार्यालय में एकता परेड का लाइव प्रसारण

रफ्तार मीडिया/ गयाजी
प्रभात सिन्हा

गयाजीः: राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार , 31 अक्टूबर को जिला अग्निशमन कार्यालय, गया जी के परिसर में 'एकता परेड-2026' का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझते हुए राष्ट्रहित में एकजुट रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जदयू के जिला अध्यक्ष, ई. अजय कुशवाह, जिला अग्निशमन पदाधिकारी ज्योति प्रकाश, अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी, ग्रामीण जनता, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। लाइव प्रसारण के दौरान सभी ने एकता परेड के माध्यम से दिए गए संदेशों को देखा और राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर विचार साझा किए।

इस अवसर पर देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के अतुलनीय योगदान को याद किया गया। सरदार पटेल ने देश की विभिन्न रियासतों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए उपस्थित लोगों ने देश की एकता और अखंडता की रक्षा करने तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं और आम नागरिकों को आपसी भाईचारे, सहयोग, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने भी राष्ट्रीय एकता को देश की प्रगति और मजबूती का आधार बताते हुए नागरिकों से जाति, धर्म और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना अपनाने का आह्वान किया। जिला अग्निशमन कार्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस में राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करना तथा देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

गम्हरिया महिला दुष्कर्म मामले को लेकर बिरनी में भाजपाइयों का प्रदर्शन, सीएम हेमंत सोरेन का फूंका पुतला

रफ्तार मीडिया/

बिरनी/गिरिडीह। गम्हरिया थाना में महिला के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा कथित दुष्कर्म की घटना के विरोध में रविवार को भाजपाइयों ने बिरनी में आक्रोश मार्च निकालकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। इस दौरान राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व बिरनी, भरकट्टा एवं जरीडीह मंडल के अध्यक्ष क्रमशः राजदेव साव, प्रवीण प्रभाकर एवं लक्ष्मण सिंह ने किया। आक्रोश मार्च की शुरुआत सांसद प्रतिनिधि प्रेमचंद कुशवाहा के आवास से हुई। इसके बाद मार्च प्रखंड मुख्यालय होते हुए पलौंजिया का भ्रमण कर पुनः प्रखंड मुख्यालय पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया गया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष राजदेव साव ने राज्य सरकार के प्रति आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने भाकपा माले पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी महिला उत्पीड़न के मामलों में दोहरा रवैया अपनाती है।

वहीं, विधायक प्रतिनिधि सुभाष वर्मा ने भी माले पर आरोप लगाते हुए कहा कि गम्हरिया की घटना पर पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन नहीं किया गया, जबकि विदेशों में होने वाली घटनाओं पर विरोध जताया जाता है। उन्होंने इसे पार्टी का दोहरा रवैया बताया। सांसद प्रतिनिधि देवनाथ राणा ने भी माले पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे मामलों में दोषियों को संरक्षण देने का काम किया जाता है। उन्होंने माले को जड़ से उखाड़ फेंकने की बात कही।

वहीं, सांसद प्रतिनिधि सूरज मोदी ने सरकार से मांग की कि मामले में दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाए और फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। मौके पर राजेंद्र राम, मुखिया दिलीप रविदास, निर्मल साव, बीरेंद्र साव, रामसहाय सिंह, शंकर राणा, विधायक प्रतिनिधि रंजीत राय समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

'वोट चोरी' के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना बंद करें राहुल गांधी : डॉ. प्रदीप वर्मा

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

रामलीला मैदान में राहुल गांधी के भाषण पर भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद का पलटवार, कहा- राजनीतिक धमकी देना संवैधानिक मर्यादाओं का अपमान

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री, उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने नई दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलताओं का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ रही है। 'वोट चोरी' के नाम पर निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर जनता में अविश्वास पैदा करना गैर-जिम्मेदाराना राजनीति है।डॉ. वर्मा ने कहा कि राहुल गांधी 2025-26 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर में चिह्नित लगभग 13.39 करोड़ मतदाता प्रविष्टियों के आधार पर 2024 के लोकसभा चुनाव को अवैध बताने की कोशिश कर रहे हैं। बाद में हुए पुनरीक्षण के आंकड़े पिछले चुनाव में वोट चोरी का प्रमाण कैसे हो सकते हैं? कांग्रेस को आरोप लगाने के बजाय बूथवार साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए।उन्होंने ज्ञानेश कुमार को जेल भेजने संबंधी बयान पर कहा कि किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने और सजा देने का अधिकार न्यायपालिका को है, राजनीतिक मंच को नहीं। संवैधानिक पदाधिकारियों को धमकी देना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है।डॉ. वर्मा ने कांग्रेस को आपातकाल की याद दिलाते हुए कहा कि 1975 में इंदिरा गांधी का निर्वाचन निरस्त होने के बाद देश में आपातकाल लागू किया गया था। उस दौरान विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां, प्रेस सेंसरशिप और नागरिक अधिकारों का दमन हुआ। उन्होंने कहा कि संविधान किसी परिवार की जागीर नहीं है। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पर टिप्पणी करते समय संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए।

-एंट्री के नियमों की उड़ रही धज्जियां : केडी बाजार में धड़ल्ले से घुस रहे हाइवा-डंपर, हर वक्त मंडरा रहा हादसे का खतरा

- भीड़भाड़ वाले मुख्य बाजार में लगा रहता है लंबा जाम, स्कूली बच्चे और राहगीर परेशान;।

रफ्तार मीडिया
संवाददाता पवन गुप्ता

खलारी :स्थानीय केडी मुख्य बाजार में नो-एंट्री नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। प्रशासनिक आदेशों और तय समय-सीमा को ताक पर रखकर भारी वाहन, विशेषकर हाइवा और डंपर, दिनदहाड़े भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्र से फर्राटा भरते हुए गुजर रहे हैं। भारी वाहनों की इस बेरोकटोक आवाजाही के कारण न केवल बाजार में घंटों लंबा जाम लग रहा है, बल्कि हर समय किसी बड़े सड़क हादसे की आशंका भी बनी रहती है।

बाजार में राहगीरों का चलना दूभर

केडी बाजार क्षेत्र में सुबह से लेकर शाम तक खरीदारों, स्कूली बच्चों और आम नागरिकों की भारी आवाजाही रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, व्यस्त समय में जब भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित होना चाहिए, उस समय भी बाकोयला लदे भारी डंपर तेज रफ्तार से संकरी मुख्य सड़क से गुजरते हैं। इसके चलते दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं और पैदल चलने वालों के लिए भी जगह नहीं बचती। कई बार दोपहिया वाहन चालक इन डंपरों की चपेट में आने से बाल-बाल बचे हैं।

दुकानदारों में भारी रोष

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि लगातार लगने वाले जाम और डस्ट (धूल) के कारण उनका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानों के आगे घंटों गाड़ियां फंसी रहती हैं, जिससे ग्राहक आने से कतराते हैं। व्यापारियों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि नो-एंट्री पॉइंट पर पर्याप्त पुलिस बल या प्रभावी बैरिकेडिंग न होने के कारण डंपर चालक बेखौफ होकर प्रवेश कर रहे हैं।

हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन?

नागरिकों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार स्थानीय प्रशासन और यातायात विभाग को मौखिक व लिखित शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी या जानमाल के नुकसान के बाद ही जागेगा?

आजाद समाज पार्टी ने किया तोपचांची प्रखंड कमेटी का विस्तार, प्रदीप कुमार दास बने अध्यक्ष

- जिला अध्यक्ष विकास सहिस ने नई कमेटी के पदाधिकारियों की घोषणा की, संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

जितेंद्र कुमार दास

तोपचांचीः आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की ओर से रविवार को तोपचांची हटिया मैदान में प्रखंड कमेटी के विस्तार को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विनय कुमार दास ने की। इस दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा की गई।

बैठक में जिला अध्यक्ष विकास सहिस ने सर्वसम्मति से नई प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इसमें प्रदीप कुमार दास को प्रखंड अध्यक्ष, गणेश कुमार दास को प्रखंड सचिव, कैलाश तुरी को उपाध्यक्ष तथा महफिल अंसारी को प्रखंड संगठन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

वहीं, महिला मोर्चा की कमेटी में हेमावती देवी को प्रखंड अध्यक्ष, नीतू को प्रखंड सचिव तथा नेहा देवी को उपाध्यक्ष बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत करने और पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की अपेक्षा जताई गई।

बैठक में भीम आर्मी के प्रदेश सचिव डब्लू हरी, धनबाद जिला परिसंघ अध्यक्ष संतोष दास, जिला संगठन सचिव एहसान, कुणाल, मनोज दास, संतोष कुमार, विकास हाड़ी, तस्लीम अंसारी, शंकर तुरी, टीपू सुल्तान, प्रवीर मुखी, मुस्लिम अंसारी, इंद्रदेव, अमीर और अशरफ सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार की राजनीतिक परिस्तिथियों को लेकर पूर्व सांसद आनंद मोहन से विशेष साक्षात्कार

- नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले से मैं शुरू से संतुष्ट नहीं था-आनंद मोहन

सौरभ रॉय/ रफ्तार मीडिया

रांचीः बिहार की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले और जदयू के वर्तमान नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर पूर्व सांसद आनंद मोहन ने बेबाक टिप्पणी की है। रांची आगमन के दौरान रविवार को रफ्तार मीडिया के विशेष संवाददाता सौरभ रॉय के साथ विशेष बातचीत में उन्होंने नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के निर्णय पर अपनी असहमति जाहिर करते हुए कहा कि वह इस फैसले से शुरू से ही संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास के नए आयाम छुए हैं और राज्य में एनडीए की सरकार बनने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।आनंद मोहन ने कहा कि बिहार की जनता ने नीतीश कुमार के कार्यों और उनके नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए चुनाव में अपना समर्थन दिया था। ऐसे में उनके राज्यसभा जाने के फैसले से वह व्यक्तिगत रूप से सहमत नहीं थे। उन्होंने नीतीश कुमार की राजनीतिक अनुभवी और प्रशासनिक क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि उनकी तुलना किसी नौसिखिए से नहीं की जानी चाहिए। उनके मुताबिक, नीतीश कुमार का राजनीतिक अनुभव और बिहार के विकास में उनका योगदान उन्हें एक अलग स्थान प्रदान करता है। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा कि नीतीश कुमार ने अपने लंबे राजनीतिक कार्यकाल में बिहार के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके नेतृत्व में राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित हुए और जनता ने उनके कामकाज को देखकर ही चुनाव में विश्वास जताया।

मांडर में हुई हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, एसआईटी ने 72 घंटे में किया उद्भेदन

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

मांडर थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्या कांड का रांची पुलिस ने 72 घंटे के अंदर उद्भेदन कर दिया है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रांची द्वारा शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मामला मांडर थाना कांड संख्या 113/26, दिनांक 29.10.2026, धारा 103(1)/61(2) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट से जुड़ा है। दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मांडर थाना अंतर्गत टिको टोली ग्राम स्थित डेयरी के पास एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान रामु उरांव, उम्र 55 वर्ष, ग्राम सेवाडीह, थाना मांडर, जिला रांची के रूप में हुई।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मांडर, पुलिस उपाधीक्षक खलारी एवं आस-पास के थानों के गश्ती दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन प्रारंभ की। घटना की सूचना वरीय अधिकारियों को दी गई। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक की पत्नी के लिखित आवेदन के आधार पर मांडर थाना में हत्या का मामला दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची ने त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, रांची के निर्देशन में और पुलिस उपाधीक्षक खलारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। एसआईटी में मांडर थाना प्रभारी सहित तकनीकी शाखा के पदाधिकारी और जवानों को शामिल किया गया। एसआईटी द्वारा मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर कांड का उद्भेदन किया गया। पुलिस ने कॉल डिटेल्स, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान की और छापेमारी कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार हत्या के पीछे आपसी रंजिश और जमीन विवाद का मामला सामने आ रहा है, हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ जारी है और घटना में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस जल्द ही इस मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा करेगी।

इधर, घटना के त्वरित उद्भेदन से स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली की सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की तत्परता से क्षेत्र में अपराधियों में भय का माहौल बना है।

संपादकीय

यह स्थापना दिवस और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है

देश का हृदय कहा जाने वाला मध्यप्रदेश एक बार फिर अपने स्थापना दिवस के गौरव में मग्न है। साल 1956 की एक नवंबर वह यादगार तारीख है, जब देश को न सिर्फ एक नया, बल्कि एक और खास राज्य भी मिल गया। तब से लेकर अब तक इस प्रदेश ने कई पड़ाव देखे। परिस्थितियों के रूप में कभी सुखद आरोह तो कभी चुनौती वाले अवरोह का भी सफलता के साथ सामना किया।

अभिमत

देश के अलग-अलग हिस्सों से आए लोगों ने इस धरा के रूप में अपने नए ठिकाने और नई पहचान को अंगीकार किया। ऐसे कुछ लोग आज भी इतिहास की धरोहर के रूप में हमारे बीच हैं, जिनके पास 1956 से पहले नागपुर के रूप राजधानी से जुड़े संस्मरण मौजूद हैं। जिन्होंने पंडित रविशंकर शुक्ल से लेकर डॉ. मोहन यादव वाली यात्रा को देखा है। जो इस अतीत के शुरूआती छोर से नहीं जुड़े हैं, उन्हें भी यह याद ही होगा कि इस सफर में वह पड़ाव भी आए, जब हम बीमारू राज्य की श्रेणी में रखे जाने पर विवश कर दिए गए। पिछड़े राज्यों में गिने जाने लगे।

भले ही शांति के टापू वाली पहचान को हमने कायम रखा, लेकिन भीतर ही भीतर एक अशांति भी कचोटती रही। वह यह कि आखिर हम कब विकसित राज्यों वाली फेहरिस्त में अपना स्थान बना सकेंगे। यात्रा कठिन रही, लेकिन खरामा-खरामा हम आगे बढ़ते ही चले गए।आज परिणाम सबके सामने है। विकास और विश्वास के लिहाज से मध्यप्रदेश अपनी एक अलग पहचान स्थापित कर चुका है। ऐसा यदि कई सरकारों की इच्छा शक्ति से संभव हुआ तो इसके पीछे राज्य की जनता के अथक योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता है। यहां डॉ.मोहन यादव का उल्लेख समीचीन है। अपने तीन वर्ष से भी कम के कार्यकाल में उन्होंने प्रदेश को विकास और समृद्धि के अनेक ऐसे उपहार दिए हैं, जो अपने आप में बेहद खास हो चुके हैं। आज हम बीमारू वाली उस छाप को कहीं बहुत पीछे धकेल चुके हैं। उस काले अतीत को हाशिए पर धकेल चुके हैं, जहां बिजली और सड़क के नाम पर हर ओर अभाव वाली दरिद्रता पसरी हुई थी। स्वच्छता सर्वेक्षण में हम दिग्गज राज्यों में गिने जाने लगे हैं।

देश के साथ ही विदेश के बड़े औद्योगिक घराने इस प्रदेश में निवेश की विशेष संभावनाओं पर आँख मूंदकर यकीन करने लगे हैं। किसी समय केवल मालवा अंचल के लिए 'पग-पग रोटी, डग-डग नीर' कहा जाता था, आज यह समूचे मध्यप्रदेश की पहचान बन चुका है। यह इसलिए संभव हो सका कि मध्यप्रदेश के बाशिंदों ने अपनी उम्मीद और सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं उठा रखी। यदि सत्ता ने आम लोगों में आगे बढ़ने का विश्वास जगाया तो लोगों ने भी इस विश्वास को जरा भी निराशा में बदलने नहीं दिया। लेकिन अभी भी रुकने या विश्राम करने का समय नहीं है। बल्कि इस स्थापना दिवस पर सभी को यह संकल्प लेना होगा कि राज्य के द्रुत गति से और विकास के लिए हर संभव प्रयास जारी रखे जाएं। जिस तरह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव डबल इंजन वाली सरकार की अवधारणा के अनुरूप अथक परिश्रम कर रहे हैं, उसी तरह एक-एक रहवासी को भी राज्य के कल्याण हेतु अपने व्रत को और शक्ति प्रदान करना होगी। हम ऐसा ही करेंगे, क्योंकि राज्य के विकास से देश मजबूत होगा और देश की मजबूती के लिए योगदान देना हर सच्चे भारतवासी का पुनीत कर्तव्य है ।

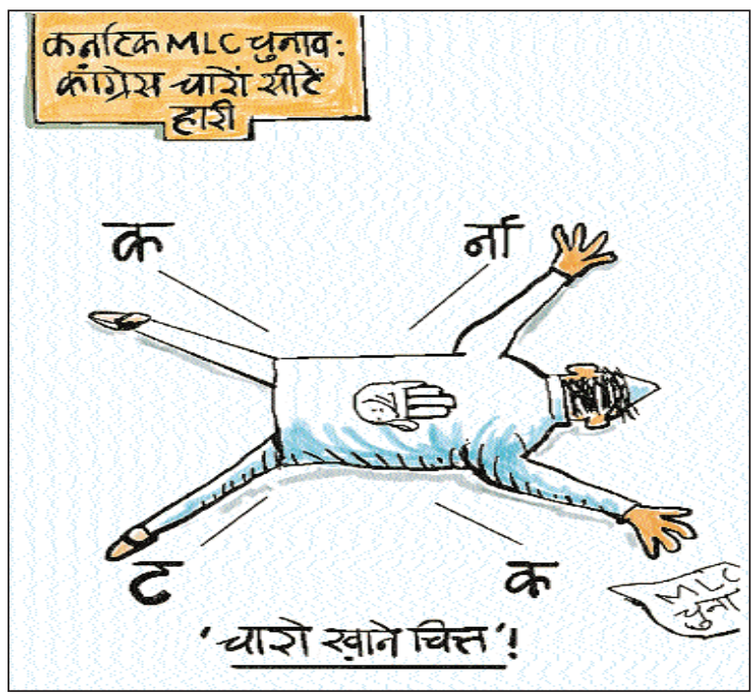

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- राज्यों का पुनर्गठन (1956): भाषाई आधार पर भारत के मानचित्र का पुनर्निधारण हुआ, जिसके तहत आंध्र प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक (मैसूर) और तमिलनाडु (मद्रास) जैसे राज्यों का गठन हुआ।
- पंजाब और हरियाणा का विभाजन (1966): पंजाब को विभाजित करके भाषाई आधार पर नए राज्य हरियाणा का गठन किया गया और चंडीगढ़ को दोनों की संयुक्त राजधानी बनाया गया।
- महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858): भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ और शासन की बागडोर सीधे ब्रिटिश क्राउन (महारानी विक्टोरिया) के हाथों में आ गई।
- छत्तीसगढ़ राज्य का गठन (2000): मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ भारत का 26वां राज्य बना।
- दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा (1956): दिल्ली आधिकारिक रूप से भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश बना।
- गदर पार्टी की स्थापना (1913): सैन फ्रांसिस्को में लाला हरदयाल और सोहन सिंह भकना द्वारा ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम के लिए गदर पार्टी की स्थापना की गई थी।
- यूरोपीय संघ (EU) की स्थापना (1993): मास्ट्रिच संधि के प्रभावी होने के साथ ही आधिकारिक तौर पर यूरोपीय संघ का गठन हुआ।
- सिस्टिन चैपल की छत का अनावरण (1512): वैटिकन सिटी में प्रसिद्ध कलाकार माइकलएंजेलो द्वारा बनाई गई ऐतिहासिक भित्ति चित्रों को पहली बार जनता के लिए खोला गया।
- पुर्तगाल का विनाशकारी भूकंप (1755): लिस्बन में आए भीषण भूकंप, सूनामी और आग के कारण पूरा शहर तबाह हो गया था और लगभग 60,000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी।
- अल्जीरियाई स्वतंत्रता युद्ध की शुरूआत (1954): नेशनल लिबरेशन फ्रंट ने फ्रांस के औपनिवेशिक शासन के खिलाफ विद्रोह शुरू किया, जिसे 'ऑल सेंट्स डे राइजिंग' भी कहा जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहला स्थायी दल (2000): 'एक्सपीडिशन 1' के अंतरिक्ष यात्री आधिकारिक तौर पर पहली बार अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने पहुंचे।
- वियतनाम युद्ध की शुरूआत (1955): आधिकारिक सैन्य इतिहास के अनुसार, दक्षिण वियतनाम में अमेरिकी सैन्य सहायता सलाहकार समूह की स्थापना के साथ इस संघर्ष की शुरूआत मानी जाती है।

कविता

महाप्रभु की महिमा !

जब लहरों ने तांडव मचाया,
जब तूफानों ने कहर बरपाया,
जब काँप उठी धरती सारी,
तब याद आई शरण तुम्हारी।

नीलचक्र की ध्वजा लहराई,
आस्था ने फिर आस जगाई,
समंदर भी शीश झुकाने लगा,
महाप्रभु का नाम गुनगुनाने लगा।

न धन चाहिए, न कोई सहारा,
बस चरणों में हो बसेरा हमारा,
संकट चाहे जितना भी आए,
जगन्नाथ अपने भक्तों को बचाए।

विज्ञान भले कारण समझाए,
भक्त का मन विश्वास ही गाए,
जिस पर हो महाप्रभु की छाया,
उसे कौन-सा तूफान डिगाए!

मधु सुभाष बुड़ावन वाला
लेखक

लोक मुद्दा

गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।

डॉ. मोहन यादव

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों का बोध भी कराता है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश का निर्माण करना है।

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना "समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश" है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। हमारे किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। किसानों की आय में वृद्धि, कृषि को लाभकारी बनाना और खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है।

हम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। खेती के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसानों के लिए आय के अतिरिक्त अवसर विकसित किये जा रहे हैं। हमारा संकल्प है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और समृद्ध भी बने। किसान की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की समृद्धि का वास्तविक आधार है।

युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण सुविधाएं और खेल अधोसंरचना युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेंगी। हम चाहते हैं कि मध्यप्रदेश का युवा नौकरी पाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी और समाज का नेतृत्व करने वाला व्यक्तित्व भी बने।

महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।हमारा मानना है कि जब महिला आत्मनिर्भर बनती है तो पूरा परिवार सशक्त होता है। इसलिए महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना हमारा संकल्प है।

आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। मध्यप्रदेश के युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो। शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिले। आज के विद्यार्थी ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निमार्ता हैं।

विकास के लिए शांति और सुरक्षा का वातावरण अनिवार्य है। हमारी सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रतिबद्ध है।पुलिस व्यवस्था का आधुनिकीकरण, तकनीक का उपयोग, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताएं हैं। महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारा उद्देश्य ऐसा मध्यप्रदेश बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक भयमुक्त वातावरण में जीवन व्यतीत कर सके और निवेशकों तथा उद्यमियों को भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो।

सुशासन का वास्तविक अर्थ है नागरिकों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान इसी भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।हमारी कोशिश है कि सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाए, अनावश्यक प्रशासनिक जटिलताओं को कम किया जाए और नागरिकों को अधिक सुविधा मिले। सरकार का उद्देश्य नागरिकों को परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान करना है। जनता का विश्वास ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा संकल्प है कि प्रशासन अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और जनकेंद्रित बने।

पशुपालन मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। पशुओं के स्वास्थ्य, उपचार, टीकाकरण, नस्ल सुधार, दुग्ध उत्पादन और गोवंश संरक्षण को प्रोत्साहित करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। पशुपालकों को आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा विश्वास है कि पशु कल्याण और पशुपालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान की जा सकती है। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

लोक विचार

प्रतिभा का अपमान और पलायन : आखिर कब जागेगा भारत?

सुभाष बुड़ावन वाला

जब किसी युवा वैज्ञानिक को विदेश में बेहतर वेतन, अत्याधुनिक प्रयोगशाला, स्वतंत्र अनुसंधान और अपने आविष्कार को व्यावसायिक रूप देने का अवसर मिलता है, तो उसका वहां जाना स्वाभाविक है। दोष उस प्रतिभा का नहीं, उस व्यवस्था का है जो उसे अपने देश में समान अवसर उपलब्ध नहीं करा पाती। अनागा राजेश जैसे युवा नवाचारियों से जुड़ी चर्चाएं इसी व्यापक समस्या की ओर हमारा ध्यान खींचती हैं।

वोटों की राजनीति, शोध के प्रति उदासीनता और अवसरों की कमी से वैश्विक महाशक्ति बनने का सपना अधूरा न रह जाए! भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी और विशाल प्रतिभा भंडार वाला देश है। हमारे विद्यार्थी दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अपनी मेधा का लोहा मनवा रहे हैं। भारतीय वैज्ञानिक, इंजीनियर, चिकित्सक और तकनीकी विशेषज्ञ अमेरिका से लेकर यूरोप तक महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। विडंबना देखिए कि जिन प्रतिभाओं के दम पर दूसरे देश विज्ञान और तकनीक की दुनिया में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, उन्हें अपने ही देश में पर्याप्त अवसर, संसाधन और सम्मान दिलाने में हम आज भी पिछड़े हुए हैं। सवाल यह नहीं कि भारतीय प्रतिभाएं विदेश क्यों जाती हैं, सवाल यह है कि उन्हें अपने देश में रोकने लायक वातावरण हम क्यों नहीं बना पा रहे हैं?

इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पक्ष हमारी शिक्षा और चयन व्यवस्था है। आरक्षण सामाजिक और ऐतिहासिक असमानताओं को दूर करने तथा वंचित वर्गों को अवसर देने का संवैधानिक माध्यम है। इसकी आवश्यकता और प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन सामाजिक न्याय के साथ शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शिता और उत्कृष्टता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। आरक्षण को प्रतिभा के विरुद्ध खड़ा करना गलत है, लेकिन योग्यता और उपलब्धि की अनदेखी करना भी उचित नहीं। उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और विशेषज्ञ संस्थानों में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पूरा अवसर मिले और चयन तथा शोध का मूल्यांकन कठोर, निष्पक्ष एवं पारदर्शी मानकों पर हो। दुर्भाग्य से इस संवेदनशील विषय पर गंभीर नीतिगत विमर्श के बजाय राजनीतिक दल अक्सर वोटों का हिसाब लगाने में अधिक रुचि दिखाते हैं।

दूसरा बड़ा कारण अनुसंधान के प्रति सरकारी और

औद्योगिक क्षेत्र की उदासीनता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के आंकड़ों के अनुसार भारत ने 2023-24 में अनुसंधान एवं विकास पर लगभग 2.45 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन यह राशि जीडीपी का मात्र 0.84 प्रतिशत थी। चीन, अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे देश अपनी अर्थव्यवस्था का कहीं अधिक बड़ा हिस्सा शोध पर खर्च करते हैं। भारत में निजी क्षेत्र का योगदान बढ़कर 51.8 प्रतिशत अवश्य हुआ है, लेकिन समग्र निवेश अभी भी हमारी आवश्यकताओं के मुकाबले अपर्याप्त है। सवाल है कि जिस देश को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना है, वह ज्ञान और आविष्कारों पर इतना कम निवेश करके तकनीकी महाशक्ति कैसे बनेगा?

हमारी तीसरी बड़ी विडंबना डिग्रियों और वास्तविक आविष्कारों के बीच की दूरी है। विश्वविद्यालयों में हजारों शोध प्रबंध तैयार होते हैं, पीएचडी की उपाधियां दी जाती हैं, लेकिन कितने शोध पेटेंट, उपयोगी तकनीक, औद्योगिक उत्पादन और सामाजिक परिवर्तन में बदलते हैं? शोधार्थियों को समय पर अनुदान नहीं मिलता, प्रयोगशालाओं में आधुनिक उपकरणों का अभाव रहता है और सरकारी स्वीकृतियों की लंबी प्रक्रिया उनका उत्साह तोड़ देती है। नीति आयोग ने भी शोध अनुदान की कमी, धनराशि के उपयोग में प्रशासनिक अड़चनों और चुनिंदा संस्थानों में संसाधनों के अत्यधिक केंद्रीकरण जैसी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया है।

प्रतिभा पलायन की समस्या का समाधान केवल विदेश जाने वाले विद्यार्थियों को देशभक्ति का पाठ पढ़ाने से नहीं होगा।हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि प्रतिभा पलायन के पीछे केवल आरक्षण या सरकारी उपेक्षा नहीं, बल्कि वेतन, संस्थागत संस्कृति, शोध की स्वतंत्रता और वैश्विक अवसर भी महत्वपूर्ण कारण हैं।

अब समय आ गया है कि सरकारें अनुसंधान पर जीडीपी का कम से कम दो प्रतिशत खर्च करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। निजी उद्योगों को दीर्घकालीन शोध निवेश के लिए प्रोत्साहन मिले। विश्वविद्यालयों में उद्योगों से जुड़ी प्रयोगशालाएं स्थापित हों। युवा वैज्ञानिकों को पर्याप्त फेलोशिप, आधुनिक उपकरण और शोध की स्वतंत्रता मिले। पेटेंट तथा तकनीक के व्यावसायीकरण की प्रक्रिया सरल बनाई जाए।

अंततः देश को यह तय करना होगा कि उसकी प्राथमिकता केवल चुनाव जीतना है या दुनिया का नेतृत्व करना। आठ मिनट में सामान पहुंचाने वाले कारोबार से उपभोक्ता सुविधा बढ़ सकती है, लेकिन आठ-दस वर्षों तक चलने वाला वैज्ञानिक अनुसंधान आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है। हमें डिलीवरी ऐप्स से आपत्ति नहीं, आपत्ति उस असंतुलित प्राथमिकता से है जिसमें त्वरित मुनाफे को महत्व मिलता है और मौलिक विज्ञान को वर्षों तक संसाधनों के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

याद रखिए, प्रतिभा किसी जाति, वर्ग, भाषा या सीमा की मोहताज नहीं होती। उसका सम्मान करने वाला देश आगे बढ़ता है और उसकी उपेक्षा करने वाला देश अपनी ही पूंजी दूसरे देशों को सौंपता रहता है। भारत को प्रतिभाओं का निर्यातक नहीं, आविष्कारों और ज्ञान का वैश्विक केंद्र बनना होगा। इसके लिए नारों से नहीं, नीतियों, निवेश और ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति से काम लेना होगा।

हिमाचल: रोहतांग पास में बर्फबारी का आनंद लेने पहुंचे सैलानियों से हाईवे जाम

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग पास में नवंबर की बर्फबारी का आनंद लेने पहुंचे सैलानियों की भीड़ के कारण शनिवार को जाम लग गया। रोहतांग पास, मनाली से लगभग 51 किलोमीटर दूर है और हर साल बर्फ और प्राकृतिक नजारों के लिए पर्यटकों को आकर्षित करता है। पीक्यम रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष फरवरी तक करीब 7.5 मीटर बर्फ जमा हुई है और सुरक्षा का हवाला देकर लगभग 5 दिसंबर तक पास बंद किया गया।

न्यूज ट्रेक

नए वायुसेना अध्यक्ष बोले- ड्रोन बदल रहे लड़ाई का स्वरूप

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने नए वायुसेना प्रमुख का पद संभाल लिया है। पद संभालने के बाद आशुतोष दीक्षित ने कहा, भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख के रूप में कमान संभालना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। हमारी सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां अभी भी गंभीर बनी हुई हैं। ड्रोन और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले हथियारों जैसी नई तकनीकों और प्रणालियों से युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। नए एयर चीफ ने कहा, भारतीय वायुसेना को अगले दशक में देश की जरूरतों के मुताबिक खुद को तैयार करने के साथ युद्ध लड़ने और जीतने के लिए भी हमेशा तैयार रहना होगा।

370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की तस्वीर बदली: एलजी सिन्हा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास, समान अधिकार और सुशासन के कारण बड़ा बदलाव आया है। केंद्र शासित प्रदेश की बदलती तस्वीर इन प्रयासों का नतीजा है। उपराज्यपाल शनिवार को श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में आयोजित जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पर कहा कि किसान, शिक्षक, सुरक्षाकर्मी, श्रमिक, युवा और महिलाएं जम्मू-कश्मीर को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे पहले उपराज्यपाल ने लोक भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

नशा तस्करी: पंजाब में 35 विशेष एनडीपीएस अदालतें होंगी स्थापित

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आज हुई पंजाब मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान राज्यभर में 35 विशेष एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) अदालतें स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नशे से संबंधित मामलों का तेजी से निपटारा करना, अदालतों में लंबित मामलों की संख्या कम करना और नशे के अभिशाप के विरुद्ध शुरू किए गए अभियान को और मजबूत करना है। यह निर्णय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया, 'पंजाब नशा तस्करी और इसके सेवन की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष लगभग 20,000 एनडीपीएस मामले दर्ज होते हैं और करीब 27,000 गिरफ्तारियां होती हैं। इनमें से लगभग 12,000 मामलों की सुनवाई सत्र अदालतों द्वारा की जाती है, जबकि प्रतिवर्ष केवल 5,700 के करीब मामलों का ही निपटारा हो पाता है। इसके कारण 31 अगस्त, 2026 तक लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 52,577 तक पहुंच गई है।

डिजिटल होगा मरीज रजिस्ट्रेशन

प्रदेश के सरकारी अस्पताल आज से हुए कागज-रहित

भोपाल,

मध्य प्रदेश का स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग राज्य स्थापना दिवस पर आज से प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों को पूरी तरह से कागज रहित बनाने जा रहा है।

इस नई व्यवस्था को मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों से लेकर स्थानीय स्तर के उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। नए तंत्र के लागू होने के बाद बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) का पंजीकरण पर्ची सीधे मरीजों के मोबाइल फोन पर एसएमएस या डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाएगा।

डिजिटल प्रणाली से इलाज की सुविधा

इस डिजिटल व्यवस्था के दायरे में ओपीडी पंजीकरण, प्रयोगशाला परीक्षण, डॉक्टर परामर्श, फार्मेसी, जांच और बिलिंग की सभी प्रक्रियाएं शामिल रहेंगी। योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक सरकारी डॉक्टर को एक टैबलेट दिया जाएगा। इस टैबलेट में विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए उपलब्ध दवाओं की पूरी सूची दर्ज होगी। डॉक्टर दवाओं की उपलब्धता के आधार पर ही मरीजों को दवाएं लिखेंगे।

आभा से जोड़ा जा रहा है सिस्टम

इस पूरी प्रणाली को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) से भी जोड़ा जाएगा, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेंगे। डॉक्टरों द्वारा लिखे गए पर्चे सीधे फार्मेसी काउंटर पर पहुंचेंगे और जांच के अनुरोध अपने आप अपडेट हो जाएंगे, जिससे अस्पतालों में होने वाले भ्रम दूर होंगे और मरीजों के समय की बचत होगी।

गांधी मेडिकल कॉलेज में पायलट प्रोजेक्ट

गांधी मेडिकल कॉलेज में बीते छह महीने से इस व्यवस्था को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में संचालित किया जा रहा है। वर्तमान समय में इसे मेडिसिन, स्किन और शल्यक्रियात्मक विभागों में अपनाया गया है। अब इस व्यवस्था को कॉलेज के सभी विभागों में भी लागू किया जाएगा। ओपीडी के पूरी तरह से कागज रहित हो जाने के बाद मरीजों को डिजिटल पर्चियां मिलेंगी और उन्हें सीधे संबंधित डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ को भेजा जाएगा।

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस

गौरवशाली अतीत, विकासशील वर्तमान और समृद्ध भविष्य की ओर कदम

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री मप्र

मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध परंपराओं, विकास यात्रा और सामूहिक संकल्पों का उत्सव है। 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए हमारे मध्यप्रदेश ने सात दशकों में अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्राकृतिक संपदा, नदियों, वनों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, जनजातीय संस्कृति और मेहनतकश नागरिकों से समृद्ध यह प्रदेश आज देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन, मां नर्मदा की पावन धारा, सांची का विश्व-विख्यात स्तूप, खजुराहो की अद्भुत स्थापत्य कला, भीमबेटका की ऐतिहासिक विरासत और जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराएं हमारी पहचान हैं। मध्यप्रदेश की यही विविधता हमारी शक्ति है। आज हमारा लक्ष्य इस विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना है।

वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। इसी भावना के साथ इस वर्ष मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की मूल भावना 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' है। हमारा विश्वास है कि किसान खुशहाल होगा तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। किसान कल्याण को लेकर राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। इन सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना के विकास, प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। मध्यप्रदेश के युवाओं में प्रतिभा, परिश्रम, ऊर्जा और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुखी कौशल से जोड़ना आवश्यक है। खेलों के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। हमारी सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।स्व-सहायता समूहों, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण और महिला उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। आज दुनिया तेजी से तकनीक और नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ रही है। युवाओं के विचारों को उद्यम में बदलने के लिए स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। हमारा प्रयास है कि युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, निवेश के अवसर और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण मिले। कृषि तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप के लिए अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश को नवाचार और उद्यमिता का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के युवा अपने नए विचारों से न केवल स्वयं आगे बढ़ें, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करें।

शिक्षा किसी भी समाज के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। सांदीपनि विद्यालयों की परिकल्पना प्रदेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।इन विद्यालयों के माध्यम से आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों, बेहतर अधोसंरचना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।हम चाहते हैं कि गांव और शहर के बच्चों को समान रूप से उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त हो। शिक्षा के साथ संस्कार, खेल, विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिले। आज के विद्यार्थी ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमें अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ भविष्य के प्रति नई जिम्मेदारियों का बोध भी कराता है। हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक संपदा और गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश का निर्माण करना है। आइए, मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर हम सब मिलकर एक ऐसे प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जहां विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिले और हमारी आने वाली पीढ़ियां एक समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पर गर्व कर सकें।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर पलटी श्रद्धालुओं से भरी बस, आठ से ज्यादा घायल

रायबरेली। एजेंसी

यूपी के रायबरेली में रविवार को गंगा एक्सप्रेस-वे पर हादसा हो गया। वहां श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में आठ से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें यूपीडा की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां उपचार चल रहा है। हादसा लालगंज क्षेत्र में ऐहार के निकट किमी संख्या 486 पर हुआ। बताया गया कि पश्चिम बंगाल के रहने वाले 26 श्रद्धालु बस से मथुरा वृंदावन में दर्शन के बाद काशी विश्वनाथ, वाराणसी जा रहे थे। तड़के ऐहार टोल प्लाजा के निकट बस अचानक अनियंत्रित हो गई। हादसे के वक्त अधिकांश यात्री नींद में थे। पलटने के बाद करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटती हुई बस

डिवाइडर से जा टकराई। हादसे से यात्रियों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सीओ सुजीत कुमार राय ने सीएचसी पहुंचकर घायलों का हाल चाल जाना और उनके उपचार की जानकारी ली।

पंचकूला में स्कूली छात्रा से मारपीट जांच कमेटी गठित

चंडीगढ़। पंचकूला के सरकारी स्कूल में छह वर्षीय बच्ची पर आठ वर्षीय बच्चे के हमले के मामले में हरियाणा सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। बच्ची की कक्षा इंचार्ज सिमरनजीत और हमला करने वाले बच्चे की कक्षा इंचार्ज पूजा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के निर्देश पर घटना की जांच के लिए दो कमेटियां गठित की गई हैं। शिक्षा विभाग की तीन सदस्यीय कमेटी 24 घंटे में और जिला प्रशासन की पांच सदस्यीय कमेटी सात दिन में रिपोर्ट सौंपेगी।

हिमाचल: बिलासपुर के घुमारवीं में ट्रैक्टर एजेंसी में भीषण अग्निकांड

घुमारवीं (बिलासपुर)। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के घुमारवीं में एक ट्रैक्टर एजेंसी में भीषण आग लगने से बड़ा नुकसान हुआ है। घुमारवीं के बल्लू के पास स्थित स्वराज माजदा ट्रैक्टर एजेंसी में आग लगने से छह ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर राख हो गए। घटना के बाद एजेंसी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, एजेंसी में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और परिसर में खड़े ट्रैक्टर इसकी चपेट में आ गए। आग इतनी भीषण थी कि छह ट्रैक्टर पूरी तरह जल गए। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की

टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। अग्निशमन विभाग के कर्मचारी लगातार आग बुझाने में जुटे हुए हैं।

दावा

मुंबई के केईएम अस्पताल में शुरू होने जा रही हाई-टेक वर्चुअल ऑटोप्सी

अब बिना चीर-फाड़ के मात्र 10 मिनट में पोस्टमार्टम

मुंबई। एजेंसी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की चिकित्सा व्यवस्था में अहम कड़ी शामिल होने जा रही है। शरीर के अंदर गोली का रास्ता, चाकू के घाव की गहराई या कोई छिपा हुआ फ्रैक्चर अब इन सबको बिना शरीर पर एक भी चीरा लगाए देखा जा सकेगा।

परेल स्थित नगर निगम के केईएम (किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल) अस्पताल में एक हाई-टेक 'वर्चुअल ऑटोप्सी' सेंटर बनने जा रहा है। इससे फोरेंसिक विशेषज्ञ पारंपरिक तरीके से शरीर को चीर-फाड़ करने के बजाय, स्कैन और थ्रीडी (3डी) इमेज की मदद से शवों की जांच कर सकेंगे।

17 करोड़ की लागत से बनेगा परिसर

BMC ने 17 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एक आधुनिक मॉर्चरी कॉम्प्लेक्स (शवगृह परिसर) के लिए टेंडर जारी किया। यह परिसर ग्राउंड फ्लोर के अलावा पांच मंजिला होगा और इसमें मुख्य रूप से 'नॉन-इनवेसिव' (बिना चीरा लगाए की जाने वाली) ऑटोप्सी पर ध्यान दिया जाएगा।

क्या होगा खास

यह सेंटर एडवांस इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा, जिससे विशेषज्ञों को अंदरूनी चोटों की जांच करने और हिंसक या संदिग्ध मामलों में मौत के कारण और तरीके का पता लगाने में मदद मिलेगी। यह महाराष्ट्र का अपनी तरह का पहला सेंटर होगा। इसके अलावा, भायखला स्थित सरकारी जेजे अस्पताल में भी ऐसी ही सुविधा शुरू करने की योजना है।

2021 में एम्स से हुई थी शुरुआत

दिल्ली के एम्स ने मार्च 2021 में 'वर्चुअल ऑटोप्सी' (जिसे 'वर्बॉप्सी' भी कहा जाता है) की शुरुआत की थी। AIIMS की टीम के रिसर्च पेपर के अनुसार, उनका CT स्कैनर कुछ ही सेकंड में शरीर की 25,000 इमेज ले सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 10 मिनट का समय लगता है, जबकि पारंपरिक पोस्टमार्टम में चार से छह घंटे तक का समय लग सकता है। इससे पुलिस को काफी फायदा होगा।

इजराइल में आइजनकोट ने गठबंधन की 4 शर्तें रखीं

हरेदी समुदाय को भी सैन्य सेवा देनी होगी; नेतन्याहू को हटाने के लिए विपक्ष से बातचीत

तेल अवीव। इजराइल में विपक्षी नेता गादी आइजनकोट ने नई सरकार बनाने के लिए 4 शर्तें रखी हैं। इजराइली मीडिया वायनेट के मुताबिक, इनमें हरेदी समुदाय को सैन्य सेवा देना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा इजराइल को यहूदी और लोकतांत्रिक देश बनाए रखना और गाजा से हमास का शासन खत्म करना शामिल है। आइजनकोट ने कहा कि इन शर्तों को मानने वाले दलों के लिए गठबंधन में शामिल होने का रास्ता खुला है।

दरअसल, 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला। 120 सीटों वाली संसद में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें जरूरी हैं।

आइजनकोट की पार्टी याशार 21 सीटें जीतकर विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। वे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए अलग-अलग दलों के नेताओं से बातचीत कर रहे हैं।

पहली शर्त- इजराइल यहूदी और लोकतांत्रिक देश बना रहे

आइजनकोट चाहते हैं कि इजराइल की पहचान यहूदी और लोकतांत्रिक देश के रूप में बनी रहे। सरकार सभी नागरिकों को बराबर अधिकार दे और धर्म या समुदाय के आधार पर किसी से भेदभाव न करे। यानी देश में हर नागरिक की आजादी और अधिकारों का सम्मान हो।

दूसरी शर्त- सभी नागरिकों के लिए सैन्य सेवा जरूरी हो

इजराइल के हर नागरिक को सेना, राष्ट्रीय या नागरिक सेवा करनी जरूरी हो। यानी देश की सेवा की जिम्मेदारी सभी नागरिकों की हो। फिलहाल इजराइल में यहूदी नागरिकों के लिए सेना में सेवा करना जरूरी है, लेकिन बेहद धार्मिक हरेदी समुदाय को इससे छूट मिलती रही है। इस समुदाय के लोगों का कहना है कि वह धार्मिक पढ़ाई करते हैं इसलिए सेना में भर्ती नहीं हो सकते। आइजनकोट की पार्टी का कहना है कि जब देश सुरक्षा चुनौतियों और युद्ध का सामना कर रहा है, तो सेना में सेवा की जिम्मेदारी किसी एक वर्ग पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों पर होनी चाहिए।

तीसरी शर्त- आजादी के समय तय सिद्धांतों का पालन हो

आइजनकोट चाहते हैं कि नई सरकार 1948 में इजराइल की आजादी के समय तय सिद्धांतों के मुताबिक काम करे। इनमें इजराइल को यहूदी देश बनाए रखने के साथ लोकतंत्र, आजादी, न्याय और सभी नागरिकों को बराबर अधिकार देने की बात शामिल है। यह शर्त इसलिए जरूरी है क्योंकि नेतन्याहू सरकार के न्यायपालिका में बदलाव करने के फैसले पर विवाद हुआ है। विरोधियों का आरोप है कि इन बदलावों से लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो सकती हैं। आइजनकोट ने इन विवादित कानूनों को रद्द करने की भी बात कही है।

चौथी शर्त- गाजा से हमास का शासन खत्म हो

आइजनकोट चाहते हैं कि गाजा में हमास का शासन खत्म हो और उसकी सैन्य ताकत भी खत्म की जाए।

हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया था। इसमें कई लोग मारे गए और कई को बंधक बना लिया गया। इसके जवाब में इजराइल ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसमें भारी तबाही हुई और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी मारे गए। आइजनकोट का मानना है कि इजराइल की सुरक्षा के लिए हमास को दोबारा गाजा की सत्ता में आने से रोकना जरूरी है।

यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचेगा अमेरिका

एजेन्सी, वॉशिंगटन

तनाव बढ़ने के बाद ट्रंप प्रशासन ने दी मंजूरी

विदेश विभाग ने बताया कि टंप प्रशासन ने यूक्रेन को 500 पैट्रियट मिसाइलें बेचने की मंजूरी दे दी है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति ने चेतावनी दी है कि इनकी डिलीवरी में कई साल लग सकते हैं। इस मंजूरी को समीक्षा के लिए कांग्रेस के पास भेजा जाएगा। ये मंजूरी यूक्रेन के अधिकारियों की उन शिकायतों के बाद आई है, जिनमें उन्होंने कहा था कि उनके पास मौजूद इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार कम होता जा रहा है।

विभाग ने एक बयान में कहा, इस प्रस्तावित बिक्री से यूक्रेन की एकीकृत वायु और मिसाइल रक्षा क्षमताओं में सुधार होगा, जिससे वह मौजूदा और भविष्य के खतरों का बेहतर सामना कर सकेगा। इस बयान में इस बात का कोई अनुमान नहीं दिया गया कि ये हथियार यूक्रेन को कब तक सौंपे जा सकते हैं।

जेलेंस्की ने क्या कहा?

लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इन हथियारों की डिलीवरी शुरू होने में अभी कुछ साल लग सकते हैं।' जेलेंस्की ने कहा, 'हम अपने अमेरिकी साझेदारों से कह रहे हैं कि वे उस समय के लिए कोई समाधान निकालें, जब सच में कोई बड़ा खतरा हो और PAC-3 इंटरसेप्टर का इस्तेमाल करने की वास्तविक जरूरत हो।' यूक्रेनी नेता ने सुझाव दिया कि अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी अपने पास मौजूद मिसाइलों का भंडार उनके देश को दे सकते हैं और बाद में नई खरीद के जरिए इन भंडारों की भरपाई की जा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

मान धूरी विधानसभा सीट से लड़ेंगे चुनाव, आप ने जारी की पहली सूची

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एकबार फिर धूरी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह जानकारी भगवत मान ने ही शनिवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक के बाद दी। भगवत मान ने अपनी उम्मीदवारी को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए पत्रकारों से कहा, 'मैं आपको इतना बता दूं इस (उम्मीदवारों की) सूची में मेरा नाम भी है, और मैं धूरी से चुनाव लड़ रहा हूं।' इस बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्य प्रभारी मनीष सिसोदिया मौजूद रहे। इस दौरान चुनावी तैयारियों पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय है कि पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर आम आदमी पार्टी ने अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटें हैं, जिसमें आप ने 40 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान चुनाव से पहले ही कर दिया है।

रूसी विदेश मंत्री के साथ फोटो खिंचाने से इनकार

वॉशिंगटन। अमेरिका में G-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के पहले ही दिन ऐसा विवाद खड़ा हो गया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को ग्रुप फोटो सेशन ही रद्द करना पड़ा। दरअसल कई यूरोपीय देशों ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ तस्वीर खिंचाने पर आपत्ति जताई थी। कुछ देशों ने तो यहां तक धमकी दी कि अगर उन्हें लावरोव के साथ फोटो खिंचवानी पड़ी तो वे इस सत्र से ही बाहर हो जाएंगे। इसके बाद अमेरिका ने फोटो सेशन रद्द करने का फैसला किया। अटलांटा में शुक्रवार को शुरू हुई इस बैठक में ॠ20 के सबसे बड़े देशों के दिग्गज राजनयिक हिस्सा ले रहे हैं. आमतौर पर ऐसी बैठकों की शुरूआत सभी विदेश मंत्रियों के सामूहिक फोटो सेशन से होती है। लेकिन इस बार रूस की मौजूदगी ने पश्चिमी देशों के बीच मतभेद उजागर कर दिए। दो अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक मार्को रुबियो ने विवाद को बैठक के बाकी एजेंडे पर हावी होने से रोकने के लिए फोटो सेशन रद्द करने का फैसला किया। दरअसल यूक्रेन पर रूस के हमले और उसके बाद मॉस्को पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते सर्गेई लावरोव की NATO सदस्य देशों की यात्राएं बेहद सीमित रही हैं।

पहली बार वाणिज्यिक जहाज पर नए बम का किया इस्तेमाल

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर चुंबकीय बम से हमला, सभी सुरक्षित

अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में इस तरह के उपकरण का यह पहला प्रयोग है

एजेन्सी, वॉशिंगटन

30 अक्टूबर को हुए एक हमले के बाद होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल जहाजों की सुरक्षा पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। पनामा के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर लिम्पेट माइन कहे जाने वाले चुंबकीय विस्फोटकों से हमला किए जाने की खबर है। घटना के वक्त जहाज पर 27 भारतीय नागरिक भी सवार थे। विस्फोट की वजह से इंजन रूम में आग लग गई लेकिन चालक दल ने उस पर काबू पा लिया। सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित बताए गए हैं। इस घटना ने लोगों का ध्यान इस तरफ खींचा है कि यह उपकरण कैसे काम करते हैं। चुंबकीय बम एक प्रकार का नौसैनिक विस्फोटक है जिसे शक्तिशाली चुंबकों की मदद से जहाज के बाहरी ढांचे से चिपकाने के लिए डिजाइन किया गया है। आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में इस तरह के उपकरण का यह पहला सफल इस्तेमाल है। इसका नाम लिम्पेट नाम के समुद्री घोंघे से पड़ा है जो चट्टानों से मजबूती से चिपके रहने के लिए जाना जाता है। इसी तरह यह विस्फोटक उपकरण भी जहाज की धातु की बाहरी सतह से चिपक जाता है। इसे आमतौर पर चुंबकीय बम कहा जाता है क्योंकि चुंबक इसे जहाज के ढांचे से चिपकाए रखते हैं।

चुंबकीय जुड़ाव कैसे काम करता है?

यह उपकरण जहाज की धातु की बाहरी सतह से चिपके रहने के लिए मजबूत चुंबकों का इस्तेमाल करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमलावर गोताखोर या फिर छोटी नांव के जरिए किसी रुके हुए या धीरे-धीरे चल रहे जहाज के पास पहुंच सकते हैं और इस उपकरण को उसके ढांचे पर लगा सकते हैं। चुंबकीय बल इसे अपनी जगह पर बनाए रखता है।

देरी से विस्फोट और सेंसर

चुंबकीय बम जरूरी नहीं कि चिपकते ही फट जाए। इसमें टाइमर या फिर देर से फटने के लिए मैकेनिज्म हो सकता है। इसकी मदद से लगाने वाला व्यक्ति विस्फोट होने से पहले वहां से दूर जा सकता है। कुछ आधुनिक उपकरणों में ऐसे सेंसर भी होते हैं जो चुंबकीय क्षेत्र, ध्वनि संकेतों या फिर पानी के दबाव में होने वाले बदलाव के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं।

चुंबक बम से जहाजों को होता है यह नुकसान

चुंबक बम का मकसद हमेशा जहाज को डुबाना नहीं होता। इसका उद्देश्य जहाज को बेकार करना या फिर उसे आगे बढ़ने से रोकना भी हो सकता है। जहाज के जरूरी हिस्सों को नुकसान पहुंचने से वह आगे नहीं बढ़ पाता, भले ही वह पानी पर तैरता रहे। जहाज के इंजन रूम, प्रोपेलर और रडर जैसे हिस्सों पर इसका असर पड़ सकता है। जरूरी उपकरणों के पास होने वाला विस्फोट जहाज की प्रोपल्शन या फिर स्टीयरिंग को बाधित कर सकता है। इससे जहाज का आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है

बांग्लादेश में भारत के ट्रांजिट कॉरिडोर का विरोध, विपक्ष ने सरकार को दी चेतावनी

- गंगा जल बंटवारे को लेकर भी भारत के साथ निष्पक्ष समझौते की मांग की

बांग्लादेश

बांग्लादेश में विपक्षी नेशनल सिटिजन पार्टी (NCP) के नेता नाहिद इस्लाम ने भारत को लेकर अपनी सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेश की जमीन से भारत को किसी भी तरह का ट्रांजिट कॉरिडोर देने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने गंगा जल बंटवारे को लेकर भी भारत के साथ निष्पक्ष समझौते की मांग की है। नाहिद ने चेतावनी दी कि अगर नए समझौते में बांग्लादेश के हिस्से के पानी की सुरक्षा नहीं हुई तो लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। शुक्रवार को ढाका में NCP की ओर से एक रैली आयोजित की गई, जिसमें सैकड़ों समर्थक शामिल हुए। रैली में मुख्य रूप से गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद और बिजली, ऊर्जा एवं खनिज संसाधन मंत्री इकबाल हसन महमूद टुकू के इस्तीफे की मांग की गई। पार्टी ने आरोप लगाया कि दोनों मंत्री कानून-व्यवस्था संभालने और गैस-बिजली की किल्लत दूर करने में नाकाम रहे हैं। इसी दौरान नाहिद इस्लाम ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार पर भारत को ट्रांजिट कॉरिडोर देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। नाहिद इस्लाम का आरोप है कि जापान एक बार फिर बांग्लादेश के रास्ते क्षेत्रीय कॉरिडोर बनाने की कोशिश कर रहा है और सरकार इसे भारत को सौंपना चाहती है। उन्होंने प्रधानमंत्री तारिक रहमान से साफ कहा कि बांग्लादेश की जनता ऐसा कोई कॉरिडोर स्वीकार नहीं करेगी। दरअसल, तारिक रहमान 26 से 29 अक्टूबर तक जापान के दौरे पर थे। इस दौरान जापान और बांग्लादेश ने आपसी सहयोग बढ़ाने और बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र में कनेक्टिविटी मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने आर्थिक विकास, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही।

मातारबाड़ी बंदरगाह पर जापान कर रहा मदद

जापान बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी इलाके में मातारबाड़ी गहरे समुद्र के बंदरगाह को विकसित करने में आर्थिक मदद कर रहा है। जापान की एजेंसी खक्ठअ इस परियोजना को वित्तीय सहयोग दे रही है। जापान की क्षेत्रीय योजना में इस बंदरगाह के जरिए भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बंगाल की खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने की संभावनाएं भी शामिल रही हैं।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया।

देशभर के 490 पुलिसकर्मी-अफसरों को पदक

वाशिंग्टन/ नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने की केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक की घोषणा

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के लिए 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक' की घोषणा कर दी है। इस वर्ष देशभर के विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और केंद्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) के कुल 490 अधिकारियों और जवानों को इस प्रतिष्ठित पदक से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, यह सम्मान पुलिसिंग, जांच, खुफिया सेवा और फोरेंसिक विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिया जाता है। इसका उद्देश्य सुरक्षा और जांच एजेंसियों में बेहतर कार्य प्रदर्शन को प्रोत्साहित करना और उत्कृष्ट सेवाओं को पहचान देना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक फरवरी, 2024 को जारी अधिसूचना के माध्यम से 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक' की स्थापना की थी। इस पुरस्कार के तहत पुलिस और सुरक्षा संगठनों में असाधारण प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को सम्मानित किया जाता है। इसमें राज्य पुलिस बलों, केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस, विशेष खुफिया शाखाओं, केंद्रीय पुलिस संगठनों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और असम राइफल्स के अधिकारी एवं जवान शामिल हैं।

स्कूल में हैवानियत

युवक ने 10वीं की छात्रा पर आरी से किया हमला, काट दिया गला

एजेन्सी, अनंतपुर

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रापताडु में स्कूल परिसर के अंदर 10वीं कक्षा की एक छात्रा पर लकड़ी काटने वाली आरी से जानलेवा हमला किया गया। वारदात के दौरान स्कूल में छात्र और शिक्षक मौजूद थे। दिनदहाड़े स्कूल के अंदर हुई इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। फिलहाल मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक घटना स्कूल के समय की है। आरोप है कि एक व्यक्ति स्कूल परिसर में घुस आया और छात्रा पर अचानक आरी से हमला कर दिया। हमले में छात्रा का गला काट गया, फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हमलावर ने उसके चेहरे और सिर पर भी गंभीर वार किए। हमले के बाद छात्रा खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी। स्कूल के अंदर इस तरह की हिंसक वारदात से छात्रों और स्कूल स्टाफ के बीच अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल छात्रा को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। छात्रा की हालत को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। जांच करने वाले अभी यह पता नहीं लगा पाए हैं कि घटना से पहले वह आदमी और लड़की एक-दूसरे को जानते थे या नहीं। पुलिस ने कई तरह की जांच शुरू कर दी है। उस आदमी के भाग जाने के बाद टीचर्स ने पुलिस को बताया और एम्बुलेंस बुलाई। दोनों लड़कियों को पास के हॉस्पिटल ले जाया गया। हमले को देखकर कई चश्मदीद स्टूडेंट्स कथित तौर पर बेहोश हो गए या टूट गए। पीड़ितों के परिवार वालों और दूसरे स्टूडेंट्स के माता-पिता ने सवाल उठाया कि चेनसॉ लेकर एक आदमी स्कूल कैंपस में कैसे घुस गया और बिना रोके क्लासरूम तक कैसे पहुंच गया।

पोलैंड में तख्तापलट की कोशिश, पीएम ने मुख्य न्यायाधीश को पद से हटाया

एजेन्सी, वारसॉ

पोलैंड में बड़ा संवैधानिक और राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को निलंबित किए जाने के बाद, नरमपंथी सरकार और राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी गुट के बीच तनाव चरम पर है। इसके बाद राष्ट्रपति कैरोल नव्रोकी ने अपनी अफ्रीका यात्रा बीच में ही रद्द कर दी है और वारसॉ लौट आए हैं। वहीं पुलिस ने संवैधानिक अदालत को घेर लिया है। कोर्ट के गेट पर दर्जनों पुलिसकर्मी तैनात हैं। विपक्षी दक्षिणपंथी पार्टी 'लॉ एंड जस्टिस' (PiS) के समर्थक संवैधानिक अदालत के प्रेसिडेंट बोगदान स्विएचकोव्स्की को हटाए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

अदालत के आधिकारिक '' (सोशल मीडिया) अकाउंट पर इसे ₹तख्तापलट₹ बताया गया। कुछ प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार की निंदा करते हुए 'टस्क गद्दार है' के नारे लगाए। कुछ लोगों ने सुरक्षा बैरिकेड्स को जबरन पार करने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि उन्होंने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने अदालत परिसर में घुसने का प्रयास किया था।

न्यूज ब्रीफ

मारुति सुजुकी डिजायर का कुल उत्पादन 35 लाख इकाई के पार

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने अपनी लोकप्रिय सेडान कार मारुति सुजुकी डिजायर के 35 लाख (3.5 मिलियन) इकाई के उत्पादन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। एमएसआईएल ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि उसकी सेडान कार डिजायर ने 35 लाख इकाई के कुल उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। इस समय कंपनी के मानेसर संयंत्र में बनने वाली डिजायर ने लगभग 18 वर्ष और नौ महीने में यह उपलब्धि हासिल की है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने इस अवसर पर कहा, ''डिजायर का कुल 35 लाख इकाई का उत्पादन इस मॉडल की यात्रा में मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि 'हम बढ़ती विनिर्माण क्षमता के साथ-साथ भारत और वैश्विक बाजारों में ग्राहकों को विश्वस्तरीय गुणवत्ता देने और उन्हें संतुष्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस को दिखाई हरी झांडी

प्रयागराज। बनारस-प्रयागराज रामबाग और बनारस सिटी-राजातालाब के बीच मेमू ट्रेन सेवाओं का भी किया शुभारंभ नई ट्रेन सेवा से वाराणसी और राष्ट्रीय राजधानी के बीच रात्रिकालीन रेल संपर्क होगा मजबूत, यात्रियों के समय की होगी बचतझकेंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 10 मेमू सेवाओं से वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में स्थानीय रेल कनेक्टिविटी को मिलेगा विस्तारझकेंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव त्योहारी सीजन में नई रेल सेवाओं से यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त सुविधा आधुनिक रेल अवसंरचना से सुरक्षित, तेज और समयबद्ध रेल यात्रा का सपना हो रहा साकारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सर्राफा बाजार में सोना सस्ता, चांदी भी 5 हजार रुपए तक लुढ़की

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में को कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोना शनिवार को 1,550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,690 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में शनिवार को लगातार दूसरे दिन 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इस तरह चांदी सिर्फ दो दिन में ही 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गया है।

भाव में गिरावट आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना शनिवार को 1,30,390 रुपये प्रति 10

ग्राम से लेकर 1,30,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना शनिवार को 1,42,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,42,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,30,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना शनिवार को 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,30,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,42,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,42,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,30,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,42,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,30,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ केसर्राफाबाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,30,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा केसर्राफाबाजार में भी आज सोना कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 30 सितंबर को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की

■ भोपाल, लोकदेश रिपोर्ट

बैंक ने +35.8% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 6,532 करोड़ रुपये का अब तक का उच्चतम तिमाही निवल लाभ दर्ज किया है। वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही में निवल लाभ 7,810 करोड़ रुपये रहा है।

तिमाही के लिए निवल ब्याज आय 9% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 13,026 करोड़ रुपये रही। वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में यह 9.2% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 25,551 करोड़ रुपये रही।

तिमाही के लिए गैर-ब्याज आय 95.8% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 6,881 करोड़ रुपये रही। वित्त वर्ष की पहली छमाही के लिए यह 10,351 करोड़ रुपये रही जिसमें वर्ष दर वर्ष 26.4%. की वृद्धि दर्ज की गई है। तिमाही के लिए बैंक की परिचालन आय वर्ष दर वर्ष 28.7% की वृद्धि के साथ 19,907 करोड़ रही। वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही में यह वर्ष दर वर्ष 13.7% की वृद्धि के साथ 35,902 करोड़ रही।

तिमाही के लिए परिचालन व्यय वर्ष दर वर्ष 7.4% की बढ़ोतरी के साथ 8,477 करोड़ रुपये रहा। छमाही के लिए यह वर्ष दर वर्ष +3.7% की बढ़ोतरी के साथ 16,345 करोड़ रुपये रहा। तिमाही के लिए परिचालन लाभ में वर्ष दर वर्ष 50.9% की वृद्धि दर्ज की गई और यह ? 11,430 करोड़ रहा, जो बैंक द्वारा दर्ज किया गया अब तक का सर्वाधिक तिमाही परिचालन लाभ है। वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही के लिए परिचालन लाभ वर्ष दर वर्ष +23.7% की वृद्धि के साथ 19,557 करोड़ रुपये रहा। तिमाही के लिए आस्तियों पर रिटर्न (आरओए) 19 बीपीएस की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 1.२६% पर रहा तथा वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही के लिए ०.७५% के स्तर पर रहा। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में 363 बीपीएस की वर्ष दर वर्ष वृद्धि के साथ 19.28% के स्तर पर रहा। वित्त वर्ष 27 की पहली छमाही के लिए यह 11.63% रहा।

बैंक ने अपनी सुदृढ़ आस्ति गुणवत्ता बनाए रखी है, वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में सकल एनपीए (जीएनपीए) वर्ष दर वर्ष 38 बीपीएस की कमी के साथ 1.78% रहा।

दो त्योहारों की वजह से भी बाजार पूरी तरह बंद रहेगा

नवंबर में शेयर बाजार में सिर्फ 19 दिन होगा कारोबार, 11 दिन रहेगी छुट्टी

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

अक्टूबर का महीना विदा हो रहा है और नए महीने नवंबर की शुरूआत होने जा रही है। ऐसे समय में अगर आप भी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में ट्रेडिंग या निवेश करते हैं तो यह खबर आपके लिए ही है। शेयर बाजार में इस महीने कुल 11 दिन ट्रेडिंग नहीं होगी। मतलब 30 दिन के इस महीने में सिर्फ 19 दिन ही शेयर बाजार में कारोबार होगा। शेष 11 दिन छुट्टी रहेगी।

आमतौर पर शेयर बाजार और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में हर हफ्ते शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है। साप्ताहिक अवकाश के अलावा कुछ खास त्योहारों और राष्ट्रीय अवकाशों पर भी बाजार में छुट्टी घोषित की जाती है। नवंबर के इस महीने में शनिवार और रविवार को मिलाकर कुल 9 दिन का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। इसके अलावा, कामकाजी दिनों के दौरान इस महीने दो त्योहारों की वजह से भी बाजार पूरी तरह बंद रहेगा। सबसे पहले 10 नवंबर को दिवाली-बलिप्रतिपदा के अवसर पर शेयर बाजार में छुट्टी होने की वजह से ट्रेडिंग नहीं होगी। इसके बाद 24 नवंबर को गुरु नानक देव जी के प्रकाश

गुरुपरब के मौके पर भी दोनो स्टॉक एक्सचेंज और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अवकाश रहेगा।

इन दोनों तारीखों यानी 10 और 24 नवंबर को बीएसई और एनएसई के मुख्य सेगमेंट्स जैसे इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और करेंसी डेरिवेटिव्स में पूरी तरह से छुट्टी रहेगी। हालांकि, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) में पूरी तरह से तालाबंदी नहीं होगी। इन सेगमेंट्स में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक का सुबह का सत्र तो बंद रहेगा लेकिन शाम 5 बजे से रात 11:30 और रात 11:55 बजे तक का शाम का सत्र हमेशा की तरह खुला रहेगा। यही नियम मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी लागू होगा।

इस बार 8 नवंबर को दीपावली का त्योहार मनाया जाएगा। इस दिन रविवार होने के कारण शेयर बाजार का नियमित कारोबार तो बंद रहेगा लेकिन भारतीय शेयर बाजार की सालों पुरानी परंपरा के मुताबिक दोपहर बाद 1 घंटे के लिए 'मुहूर्त ट्रेडिंग' का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। बीएसई और एनएसई दोनों प्रमुख एक्सचेंजों ने इस दिन के इस खास सत्र पर ट्रेडिंग के समय (टाइम टेबल) का निर्धारण कर दिया है।

दीपावली के दिन का टाइम टेबल

दीपावली के दिन होने वाले कारोबार के लिए निर्धारित किए गए टाइम टेबल के अनुसार 8 नवंबर को ट्रेडिंग मेंबर्स का लॉगिन दोपहर 1:15 बजे से 1:50 बजे तक होगा। वहीं, ब्लॉक डील विंडो दोपहर 1:50 बजे से 2:05 बजे तक खुला रहेगा। इसके बाद दोपहर 2:05 बजे से 2:15 बजे तक प्री-ओपन सेशन चलेगा, जबकि दोपहर 2:20 बजे से शाम 3:30 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए मुख्य ट्रेडिंग विंडो खुला रहेगा। इसके बाद पीरियोडिक कॉल ऑक्शन का समय दोपहर 2:25 बजे से 3:20 बजे तक, क्लोजिंग ऑक्शन सेशन का समय दोपहर 3:15 बजे से 3:35 बजे तक और पोस्ट-क्लोजिंग सेशन के लिए दोपहर 3:50 बजे से शाम 4:00 बजे तक का समय तय किया गया है।

दिवाली से पहले कॉमर्शियल सिलेंडर 17 तक महंगा

फोन पर अनजान कॉलर का असली नाम दिखेगा ; फासटेकका लोकल पास ; आज से 5 बदलाव

नई दिल्ली

कॉमर्शियल सिलेंडर आज से 17 रुपए तक महंगा हो गया है। आज से आपके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आने पर नंबर के साथ कॉलर का असली नाम भी दिखेगा। टोल प्लाजा के 20द्मद्व के दायरे में रहने वाले वाहन मालिकों को 1 साल का लोकल फास्टैग पास मिलेगा।

नवंबर 2026 में सिलेंडर, टेलिकॉम, ट्रांसपोर्ट और इन्वेस्टमेंट से जुड़े ऐसे ही 5 बदलाव हो रहे हैं। इन्हें आसान भाषा में नीचे समझाया गया हैज

1. कॉमर्शियल सिलेंडर 17 रुपए तक महंगा

बदलावः तेल कंपनियों ने दिवाली से पहले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 17 रुपए तक महंगा कर दिया है।

असरः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बड़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च मामूली बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ता महंगा कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है।

14 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम में बदलाव नहीं

2. फोन पर अनजान कॉलर का असली नाम दिखेगा

बदलावः आज से आपके फोन पर जब भी किसी अनजान नंबर से कॉल आएगा, तो स्क्रीन पर नंबर के साथ उस व्यक्ति का असली नाम भी दिखेगा। यह नाम वही होगा जो उसने सिम खरीदते समय सरकारी (जैसे आधार) में दिया था।

इसके लिए आपको कोई थर्ड पार्टी एप डाउनलोड या सर्विस शुरू करने की जरूरत नहीं होगी, यह अपने-आप काम करेगी। दूरसंचार विभाग ने सभी टेलीकॉम कंपनियों के लिए इस नियम को लागू करना अनिवार्य कर दिया है।

असरः अभी अनजान नंबरों की पहचान के लिए ट्रूकॉलर जैसे एप का इस्तेमाल करना पड़ता है, लेकिन अब बिना किसी थर्ड पार्टी एप के ही आपको पता चल जाएगा कि कौन

शहर	नई कीमत	पुरानी कीमत	अंतर
दिल्ली	₹2820	₹2810	10.00
कोलकाता	₹2971	₹2954	17.00
मुंबई	₹2775	₹2764.50	10.50
चेन्नई	₹2994.5	₹2983	11.50

कॉल कर रहा है। इससे फर्जी और फ्रॉड कॉल से बचने में आसानी होगी। पूरी खबर पढ़ेंज

3. टोल के 20द्मद्व दायरे में रहने वालों के लिए फासटेक का लोकल पास

बदलावः टोल प्लाजा के 20द्मद्व के दायरे में रहने वाले निजी वाहन मालिकों को हर बार टोल टैक्स देने से राहत मिलेगी। सरकार ने 1,500 या 3,000 की तय फीस में पूरे 1 साल का लोकल फास्टैग पास देने का नया नियम आज से लागू कर दिया है।

असरः टोल प्लाजा के आसपास रहने वालों का हर महीने टोल पर होने वाला बड़ा खर्च बचेगा। अब उन्हें बार-बार टोल कटवाने की टेंशन नहीं होगी और पूरे साल सिर्फ एक बार पास की तय फीस देकर आसानी से सफर कर सकेंगे।

4. म्यूचुअल फंड एप पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट होगा

बदलावः 1 नवंबर से म्यूचुअल फंड कंपनियों के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निवेश करते समय डायरेक्ट प्लान अपने-आप चुना हुआ यानी डिफॉल्ट मिलेगा। अगर कोई निवेशक रेगुलर प्लान चुनता है, तो उसे पहले ही स्क्रीन पर चेतावनी मिलेगी कि रेगुलर प्लान में कितना एक्स्ट्रा खर्च (0.66द्म से 1.7द्म तक) लगेगा।

असरः बिना किसी डिस्ट्रीब्यूटर के सीधे निवेश करने वाले आम निवेशकों के पैसे बचेंगे। डायरेक्ट प्लान में कोई कमीशन न होने से एक्सपेंस रेशियो कम रहता है, जिससे निवेशकों को लंबे समय में एक्स्ट्रा फायदा मिलेगा। जैसे- 20 साल की फासटेक में 22 लाख तक का अतिरिक्त फायदा मिलेगा।

5. छोटे ऑनलाइन विक्रेताओं के लिए दूसरे राज्यों में सामान बेचना आसान

बदलावः 1 नवंबर से छोटे ई-कॉमर्स विक्रेता दूसरे राज्यों में अलग से ऑफिस खोले बिना भी देशभर में सामान बेच सकेंगे। फासटेक ने नियमों में ढील दी है, जिसके तहत विक्रेता जिस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म (जैसे अमेजन, फ्लिपकार्ट) पर बेचते हैं, उसके गोदाम के पते को ही दूसरे राज्यों में अपना तस्ज्ञ रजिस्ट्रेशन एड्रेस बता सकेंगे।

असरः इससे देश के लगभग 9.5 लाख छोटे कारोबारियों और सप्लायर्स को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्हें अलग-अलग राज्यों में फिजिकल ऑफिस खोलने का भारी खर्च नहीं उठाना पड़ेगा और वे आसानी से पूरे देश के बाजार तक अपनी पहुंच बना सकेंगे।

ईपीएफओ ने वॉट्सएप सर्विसेज शुरू की

नई दिल्ली

एम्पलाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन ने अपने करोड़ों पीएफ खाताधारकों के लिए नियमों और सुविधाओं को बहुत आसान बना दिया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को ईपीएफओ के 74वें स्थापना दिवस पर दो बड़ी सुविधाओं की शुरुआत की पहला- वॉट्सएप सर्विसेज और दूसरा- बंद या डिएक्टिव श्वक्त्र खातों का ऑटोमैटिक सेटलमेंट यानी अपने आप पैसा ट्रांसफर होगा।

सवाल-जवाब में वॉट्सएप सर्विसेज और ऑटोमैटिक सेटलमेंट जैसी सुविधाओं के बारे में जानें...

सवालः ईपीएफओने वॉट्सएप पर कौन-कौन सी नई सर्विसेज शुरू की हैं?

जवाबः ईपीएफओ के वेरीफाइड वॉट्सएप नंबर के जरिए अब एम्पलाई प्रोविडेंट फंड खाताधारक कई सुविधाएं सीधे अपने मोबाइल पर पा सकेंगे। इसके तहत पीएफ बैलेंस चेक करना, पिछले 5 लेनदेन की जानकारी लेना और पासबुक इंफॉर्मेशन देखना शामिल है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्सनल गाइडेंस और मदद भी वॉट्सएप पर उपलब्ध कराई जाएगी।

सवालः वॉट्सएप सर्विसेज की शुरुआत का मुख्य मकसद क्या है?

जवाबः श्रम मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस कदम का मुख्य उद्देश्य दैनिक और नियमित सेवाओं को एक परिचित मोबाइल प्लेटफॉर्म के जरिए सुलभ बनाना है। इससे पीएफ खाताधारकों को छोटी-छोटी जानकारियों के लिए श्वक्त्रह्व दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत काफी हद तक कम हो जाएगी।

सवालः डिएक्टिव ईपीएफओ खातों के लिए क्या नई सुविधा लॉन्च हुई है?

जवाबः स्थापना दिवस के अवसर पर श्रम मंत्री ने एलिजिबल डिएक्टिव श्वक्त्र खातों का ऑटोमैटिक सेटलमेंट सिस्टम लॉन्च किया है। इसके तहत जिन

इनऑपरेटिव पीएफ खातों में 1,000 रुपए तक की राशि बची हुई है और जिनका आधार वेरीफाइड है, उन्हें क्लेम फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं होगी।

सवालः ऑटोमैटिक सेटलमेंट की प्रोसेस कैसे काम करेगी और इससे कितने लोगों को फायदा होगा?

जवाबः ईपीएफओनिर्धारित पहचान और बैंक-अकाउंट वेरिफिकेशन के बाद खुद ही इन खातों के सेटलमेंट की प्रोसेस शुरू करेगा। इसके जरिए सही लाभार्थियों के बैंक खातों में उनका बकाया पैसा सीधे ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

इस नई व्यवस्था से लगभग 1 लाख पीएफ खाताधारकों को फायदा मिलने की उम्मीद है, जिसके तहत कुल 5 करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर होगी।

सवालः ईपीएफओकी वर्तमान वित्तीय स्थिति और इसका फंड कॉर्पस कितना है?

जवाबः केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया के अनुसार, ईपीएफओ अपने 74 वर्षों के सफर में देश के वर्कफोर्स के लिए एक विश्वसनीय संस्थान बनकर उभरा है। वर्तमान में श्वक्त्रह्व के पास 8 करोड़ से ज्यादा सदस्यों के योगदान से जमा हुआ कुल ?32 लाख करोड़ का कॉर्पस मौजूद है।

सवालः ईपीएफओकर्मचारियों और अधिकारियों को केंद्रीय मंत्री ने क्या निर्देश दिए?

जवाबः केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईपीएफओ जल्द ही अपने 75वें साल में प्रवेश करने जा रहा है। ऐसे में अधिकारियों को कर्मचारियों की सहूलियत के लिए नई तकनीक और नवाचार यानी इनोवेशंस पर ध्यान देना चाहिए ताकि बदलते दौर के साथ लोगों को सेवाएं और भी आसानी से मिल सकें।

सवालः पीएफ खाताधारकों को नई सुविधाओं से क्या-क्या फायदे हैं?

जवाबः

समय की बचतः दफ्तर जाए बिना मोबाइल से ही बैलेंस और पासबुक डिटेल मिल जाएगी।

ट्रांसपेरेंसीः हर लेनदेन की तुरंत जानकारी वॉट्सएप पर उपलब्ध होगी।

फंसा हुआ पैसा वापसः 1,000 रुपए तक के पुराने निष्ि य खातों का पैसा बिना किसी कागजी प्रि या के सीधे बैंक खाते में आ जाएगा।

क्या होते हैं इनऑपरेटिव पीएफ खाते?

जब किसी पीएफ खाते में लगातार 36 महीनों तक कोई नया योगदान नहीं आता है या कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपना पैसा नहीं निकालता है, तो ऐसे खातों को इनऑपरेटिव मान लिया जाता है। नए नियमों के तहत अब 1,000 रुपए तक के बैलेंस वाले आधार-लिंक्ड खातों को अपने आप सेटल किया जा रहा है।

बुढ़ार में खाकी पर गंभीर आरोपः अधिवक्ता को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, सिर फूटा, कान जख्मी; बचाने पहुंचे साथियों पर भी बरसीं लाठियां

शहडोल। कानून की किताबों में दर्ज अधिकार और वर्दी की जिम्मेदारी उस वक्त सवालों के घेरे में आ गई, जब बुढ़ार में एक अधिवक्ता के साथ कथित पुलिसिया मारपीट का मामला सामने आया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता को इस कदर पीटा कि उनका सिर फट गया, कान में चोट आई और शरीर पर जगह-जगह लाठियों के निशान उभर आए। इतना ही नहीं, जब उनके साथी उन्हें बचाने के लिए आगे आए तो कथित तौर पर उन्हें भी पुलिस की मार झेलनी पड़ी। घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, बुढ़ार थाना क्षेत्र की पुरानी बस्ती के समीप रहने वाले अधिवक्ता अभिनव पाठक अपने कुछ साथियों के साथ दुर्गा पंडाल में हिसाब-किताब का काम पूरा कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनका समूह बुढ़ार बस स्टैंड के पास पहुंचा। बताया जा रहा है कि अधिवक्ता अपने साथियों के साथ फोन पर बातचीत कर रहे थे, तभी पुलिस वाहन से पहुंचे बुढ़ार थाने के कुछ कर्मचारियों ने उन्हें रोक लिया।

आरोप है कि पूछताछ या बातचीत के दौरान शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। प्रत्यक्ष आरोपों के मुताबिक, पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता पर डंडे बरसाने शुरू कर दिए। हमले में उनके सिर से खून बहने लगा और कान भी जख्मी हो गया। शरीर पर दिखाई दे रहे लाल और काले निशान कथित मारपीट की गंभीरता को बयां कर रहे हैं। अधिवक्ता को पुलिसकर्मियों के चंगुल से बचाने पहुंचे उनके साथियों के साथ भी मारपीट किए जाने के आरोप हैं।

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल, बचाव में क्या थी मजबूरी?

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस का पक्ष भी सामने आया है। आरोपों के दूसरे पक्ष के अनुसार, अधिवक्ता पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता कर रहे थे और उनके साथ झूमाझपटी की स्थिति बन गई थी। पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर इसी परिस्थिति में अपने बचाव में कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

हालांकि, सवाल यह है कि यदि मौके पर विवाद हुआ भी था तो क्या स्थिति को नियंत्रित करने का यही तरीका था? क्या किसी व्यक्ति के साथ इतनी गंभीर मारपीट आवश्यक थी? और यदि बीच-बचाव करने वाले लोग भी घायल हुए हैं तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी?

शिकायत मिलने पर होगी वैधानिक कार्रवाई

मामले में धनपुरी एसडीओपी का कहना है कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में मीडिया के माध्यम से आया है। फिलहाल पुलिस के पास इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अधिवक्ता की ओर से औपचारिक शिकायत के बाद पुलिस प्रशासन क्या कदम उठाता है। साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और संबंधित पुलिसकर्मियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होती है या नहीं। वर्दी पर लगे आरोपों का सच सामने आना जरूरी है, क्योंकि कानून से ऊपर न तो कोई नागरिक है और न ही कानून की रक्षा करने वाली वर्दी।

महिला हितैषी ग्राम पंचायत के भौतिक सत्यापन के लिए राष्ट्रीय टीम ने किया खड़गवां का दौरा

स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, आजीविका और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी गतिविधियों का किया निरीक्षण

बिलासपुर

महिला हितैषी ग्राम पंचायत थीम के अंतर्गत राष्ट्रीय टीम ने ग्राम पंचायत खड़गवां का दौरा कर विभिन्न गतिविधियों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान टीम ने महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, आजीविका, सामाजिक भागीदारी एवं आर्थिक स्वावलंबन से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया।

भ्रमण की शुरुआत ग्राम पंचायत खड़गवां के बैठक कक्ष में आयोजित बैठक से हुई। बैठक में पंच, सरपंच, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य मितानिन एवं संबंधित विभागों के प्रमुख उपस्थित रहे। इस दौरान महिला हितैषी ग्राम पंचायत की अवधारणा, उसके क्रियान्वयन तथा महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली गई।

इसके बाद राष्ट्रीय टीम ने अटल डिजिटल सेवा केंद्र (ष्टस्ष्ट) का निरीक्षण किया। यहां केंद्र की प्रभारी रीना गुप्ता से चर्चा कर अभिलेखों का अवलोकन किया गया तथा लोक सेवा केंद्र के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की गई। टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां का भी निरीक्षण किया। यहां बालिकाओं के टीकाकरण, महिला प्रसव कक्ष एवं महिला वार्ड का अवलोकन कर महिलाओं को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। इसके पश्चात पोषण पुनर्वास केंद्र का भ्रमण कर कुपोषित बच्चों एवं उनकी माताओं से स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन एवं आजीविका गतिविधियों का जायजा लेने के लिए टीम ने साक्षर भारत स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष अज्जुन्निशा के सिलाई केंद्र का निरीक्षण किया। वहीं, राधा स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष शफीला एवं समूह की अन्य सदस्यों से रेडीमेड कपड़ों की दुकान के संचालन, स्वरोजगार तथा ऋण की समय पर अदायगी के संबंध में जानकारी ली गई। भ्रमण के अंतिम चरण में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवां एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालय का दौरा किया गया। यहां विद्यालयों के प्राचार्यों से चर्चा कर बाल सभा के आयोजन, बच्चों की सहभागिता तथा बाल हितैषी गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

राष्ट्रीय टीम के इस भ्रमण का उद्देश्य महिला हितैषी ग्राम पंचायत की अवधारणा के अनुरूप ग्राम पंचायत खड़गवां में किए जा रहे कार्यों का भौतिक सत्यापन करना तथा महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं आर्थिक स्वावलंबन से संबंधित व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करना था।

खेल अच्छे स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रदर्शन एवं मनोरंजन का शसक्त माध्यमः विश्वामित्र पाठक

ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल हुए विधायक विश्वामित्र पाठक, खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

सिंगरौली/- विधानसभा क्षेत्र सिहावल के ग्राम झखरावल में आयोजित ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता में विधायक विश्वामित्र पाठक ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा, शारीरिक क्षमता और खेल भावना का परिचय दिया। विधायक श्री पाठक ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजनों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल अच्छे स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रदर्शन एवं मनोरंजन का शसक्त माध्यम है उन्होंने सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। मुख्य अतिथि ने ग्राम पंचायत झकरावल में अब तक कराए गये एवं स्वीकृत कार्यों की जानकारी देते हुए खेल मैदान में शेष बाउंड्री बाल एवं सेड कक्ष सहित निर्माण कार्य कराए जाने की बात कही।

कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष रमेश द्विवेदी, टीआई राजेश चंद्र मिश्रा, लहरुद्दीन सरपंच प्रतिनिधि एवं आयोजक,परशुराम तिवारी,ठाकुर प्रसाद द्विवेदी,बाबूलाल चतुर्वेदी, मोहम्मद इस्लाम,अरविंद केवट, मोहम्मद आशिक रजा, श्रीमती सुनीता मिश्रा, हाजी सद्दीक, दिनेश सिंह, शैलेन्द्र तिवारी, हाजी सत्तार बक्स, मोहम्मद शरीफ सहित भाजपा कार्यकर्ता, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बिलासपुर के 53 स्काउट-गाइड को राज्य पुरस्कार से किया सम्मानित

सर्वश्रेष्ठ रोवर, गाइड एवं रेंजर का पुरस्कार भी बिलासपुर के प्रतिभागियों ने जीता, राज्य स्तरीय समारोह में जिले का बढ़ाया गौरव

बिलासपुर

छत्तीसगढ़ राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह वर्ष 2025-26 में जिला बिलासपुर के प्रतिभागियों ने शानदार उपलब्धि हासिल कर जिले का गौरव बड़ाया है। रायपुर स्थित छत्तीसगड़ मण्डपम में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका के करकमलों से जिले के 53 स्काउट-गाइड, रोवर एवं रेंजर को राज्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जिले के प्रतिभागियों ने सर्वश्रेष्ठ रोवर, सर्वश्रेष्ठ गाइड एवं सर्वश्रेष्ठ रेंजर का पुरस्कार भी अपने नाम किया।

जिला बिलासपुर के कुल 53 प्रतिभागियों को राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिनमें 16 स्काउट, 23 गाइड, 3 रोवर एवं 11 रेंजर शामिल हैं। यह उपलब्धि जिले में स्काउटिंग एवं गाइडिंग गतिविधियों के प्रति युवाओं के समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना को दर्शाती है। राज्य पुरस्कार प्रमाणपत्र प्राप्त करने वालों में स्काउट वर्ग से ग्यास खान, गाइड वर्ग से सुहानी यादव, रोवर वर्ग से सोहन कुमार तथा रेंजर वर्ग से आयुषी कश्यप शामिल रहे। जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री महेंद्र बाबू टंडन को भी राज्य पुरस्कार प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। वहीं, सर्वश्रेष्ठ रोवर पुरस्कार से चंद्रशेखर पंकज, सर्वश्रेष्ठ गाइड पुरस्कार से दिव्या पटेल तथा सर्वश्रेष्ठ रेंजर पुरस्कार से कृति बिजोर को सम्मानित किया गया। इन विशिष्ट उपलब्धियों ने जिला बिलासपुर की प्रतिष्ठा को और बड़ाया है।

समारोह में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं राज्य अध्यक्ष श्री गजेंद्र यादव, राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा, सचिव स्कूल शिक्षा विभाग डॉ. कमल प्रीत सिंह, सचिव राज्यपाल लोक भवन डॉ. प्रसन्ना, राज्य सचिव श्री अमित छत्रिय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला संघ बिलासपुर की ओर से संयुक्त राज्य सचिव श्रीमती बीना यादव, राज्य मुख्यालय आयुक्त श्री रविश गुप्ता, सहायक राज्य आयुक्त श्री विजय कुमार यादव एवं श्री भूपेंद्र शर्मा, जिला मुख्य आयुक्त श्री राजेंद्र साहू, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संदीप पांडेय, जिला आयुक्त गाइड श्रीमती आरती राय, जिला मुख्यालय आयुक्त स्काउट श्री टुकेश्वर यादव, श्री दिनेश जायसवाल, डॉ. नवनीत कौशिक, जिला सचिव सुश्री लता यादव, जिला संगठन आयुक्त गाइड डॉ. पूनम सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट श्री संतोष त्रिपाठी एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड श्रीमती माधुरी यादव सहित अन्य पदाधिकारियों का मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विधायक राम निवास शाह ने दिलाई एकता की शपथ

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विधायक राम निवास शाह ने दिलाई एकता की शपथ

बिलासपुर

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम, बैढ़न में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक राम निवास शाह, प्रभारी कलेक्टर संघप्रिय,पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम.,नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, अपर कलेक्टर पी.एस.त्रिपाठी, एसडीएम सुरेश जाधव,नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान,भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह,पार्षद सीमा जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। रन फॉर यूनिटी दौड़ में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक श्री राम निवास शाह ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। सभी ने देश की एकता,अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने, स्वयं को राष्ट्रहित के लिए समर्पित करने तथा देशवासियों के बीच आपसी सद्भाव और एकता का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता,राष्ट्र के एकीकरण में उनके ऐतिहासिक योगदान एवं देश की आंतरिक सुरक्षा के प्रति उनके विचारों का स्मरण किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करना तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान से नई पीढ़ी को परिचित कराना रहा। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी, नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर आरपी बैस सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बेलतरा की धरती से लेकर पहाड़ों तक उत्खनन की शिकायतें, मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन सक्रिय, विधायक से सवाल!

बिलासपुर

– बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में प्राकृतिक संपदा के संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में रेत,मुरुम और मिट्टी के अवैध उत्खनन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं। अब इस मामले में एक और गंभीर विषय जुड़ गया है। रेत, मुरुम और मिट्टी के बाद अब पत्थरों के पहाड़ों को काटकर खनिज संपदा निकालने का मामला भी सामने आया है। यानी उत्खनन से जुड़ी शिकायतों का दायरा अब पत्थर खदानों तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। ग्राम पंचायत भिलमी में बिना विभागीय अनुमति पत्थर खदान संचालित होने की शिकायत पर जिला प्रशासन के खनिज विभाग ने जांच की है। कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा), बिलासपुर द्वारा 29 अक्टूबर 2026 को जारी आधिकारिक पत्र में इस पूरे मामले का उल्लेख किया गया है। यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत के आधार पर की गई।

अब पत्थरों के पहाड़ भी सुरक्षित नहीं? भिलमी का मामला गंभीर

सीएम हेल्पलाइन में शिकायतकर्ता देवेंद्र सिंह ने 21 अक्टूबर 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि बेलतरा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भिलमी में बिना विभागीय अनुमति पत्थर खदान संचालित की जा रही है। शिकायत के आधार

पर खनिज निरीक्षक ने 28 अक्टूबर 2026 को ग्राम भिलमी में मौके पर जांच की। विभागीय पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि ग्राम एवं ग्राम पंचायत भिलमी में पत्थर खदान संचालन की विभागीय अनुमति नहीं दी गई है।यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक क्षेत्र में रेत,मुरुम और मिट्टी के उत्खनन को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं,लेकिन पत्थर खदान संचालन का यह मामला प्राकृतिक पहाड़ियों और खनिज संपदा के संरक्षण से जुड़ा एक नया सवाल खड़ा करता है।

मुरुम के अवैध उत्खनन में जेसीबी और ट्रैक्टर जब्त

खनिज विभाग के पत्र के अनुसार, ग्राम भिलमी में 23 अक्टूबर 2026 को निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से मुरुम उत्खनन करते पाए जाने पर एक जेसीबी मशीन और एक ट्रैक्टर वाहन जब्त किया गया। दोनों वाहनों को पुलिस थाना रतनपुर की अभिरक्षा में रखा गया है।विभागीय दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि ग्राम भाड़ी,तहसील बेलतरा में दिनेश सिंह एवं मेसर्स अग्रहरि इंटरप्राइजेज को खनिज मिट्टी/मुरुम हटाने की अनुमति दी गई थी,लेकिन उसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी। खनिज विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन सक्रिय,लेकिन स्थानीय विधायक मौन क्यों?

बेलतरा में अवैध उत्खनन से जुड़ी लगातार शिकायतों के बीच मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं निर्देशों पर प्रशासनिक कार्रवाई सामने आ रही है। सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर खनिज विभाग का मौके पर पहुंचना और वाहनों की जब्ती इस कार्रवाई का हिस्सा है। लेकिन सवाल स्थानीय जनप्रतिनिधि की भूमिका को लेकर भी है। बेलतरा के भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला से जनता जानना चाहती है कि क्षेत्र में खनिज संपदा की सुरक्षा और अवैध उत्खनन पर रोक लगाने के लिए वो मौन क्यों रहते हैं ? जब क्षेत्र में रेत,मुरुम और मिट्टी के उत्खनन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं और अब पत्थर खदान संचालन का मामला भी विभागीय जांच तक पहुंच चुका है,तो क्या स्थानीय स्तर पर इसकी नियमित निगरानी की व्यवस्था नहीं होनी चाहिए?

सिर्फ कार्रवाई नहीं,पूरे बेलतरा की व्यापक जांच जरूरी- अंकित गौरहा

भिलमी का मामला सामने आने के बाद कांग्रेस नेता और पूर्व जिला पंचायत सभापति अंकित गौरहा ने कहा कि बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में संचालित सभी पत्थर खदानों,रेत घाटों और मुरुम-मिट्टी उत्खनन स्थलों की व्यापक जांच कराई जाए। जिन स्थानों पर अनुमति है,वहां भी स्वीकृत क्षेत्र,मात्रा और नियमों के पालन की जांच होनी चाहिए। बिना अनुमति उत्खनन पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्राकृतिक पहाड़,नदी,जमीन और खनिज संपदा किसी एक व्यक्ति या संस्था की संपत्ति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर हैं। इनके संरक्षण की जिम्मेदारी शासन, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों सभी की है।बेलतरा को विकास चाहिए,लेकिन अपनी प्राकृतिक संपदा की कीमत पर नहीं। जनता को बड़े-बड़े दावे नहीं,खनिज संपदा की सुरक्षा और जवाबदेह व्यवस्था चाहिए।

फसल क्षति का आकलन करने खेतों में पहुंचीं कृषि विभाग और बीमा कंपनी की टीमें

कलेक्टर के निर्देश पर गांवों में संयुक्त सर्वेक्षण, किसानों को नुकसान की सूचना दर्ज कराने में दी जा रही मदद

बिलासपुर

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से जिले में हुई फसल क्षति का आकलन करने कृषि विभाग और एचडीएफसी एर्गो बीमा कंपनी की संयुक्त टीमें गांवों में पहुंचकर सर्वेक्षण कर रही हैं। मैदानी अधिकारी खेतों का निरीक्षण करने के साथ प्रभावित किसानों से संपर्क कर नुकसान की जानकारी जुटा रहे हैं, ताकि नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा सके।

संयुक्त टीमों ने आज मानकचौरी, रतनपुर, बिटकुला, पोड़ी, गोबरी और हरदीकला सहित विभिन्न ग्रामों में खेतों का निरीक्षण कर फसलों की स्थिति का जायजा लिया। उप संचालक कृषि एम.आर. तिग्गा एवं सहायक संचालक श्री शशांक शिंदे ने भी किसानों से मुलाकात कर प्रभावित फसलों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन और कृषि विभाग उनके साथ हैं। फसल क्षति के आकलन और नियमानुसार सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल नुकसान की सूचना दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई गई। उन्हें टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447, व्हाट्सएप नंबर 7066514447 तथा क्रॉप इंश्योरेंस ऐप सहित उपलब्ध माध्यमों की जानकारी दी गई। टीमों द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर नुकसान की सूचना दर्ज कराने में किसानों को आवश्यक सहयोग भी दिया जा रहा है। जिले के सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावित किसानों से संपर्क कर फसल क्षति का सर्वेक्षण कर रहे हैं। कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी की संयुक्त टीमें नुकसान की वास्तविक स्थिति का आकलन कर रही हैं। कृषि विभाग ने प्रभावित किसानों से अपील की है कि वे फसल क्षति की सूचना समय पर दर्ज कराएं और सर्वेक्षण के दौरान आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में उलटफेर, ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत खत्म

न्यूजीलैंड नंबर-1, भारत चौथे पायदान पर खिसका

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया पर सीरीज जीत ने बड़ा उलटफेर कर दिया है। इस नतीजे ने न केवल अंकतालिका का समीकरण बदल दिया, बल्कि फाइनल की दौड़ को भी दिलचस्प बना दिया है। न्यूजीलैंड 72.22 अंक प्रतिशत (पीसीटी) के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 71.43 पीसीटी के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हो गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया तीसरे और भारत 51.52 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश की वेस्टइंडीज के खिलाफ हार ने भी भारतीय टीम को अंकतालिका में एक स्थान ऊपर पहुंचने का मौका दिया है।

मौजूदा चक्र में अभी 10 टेस्ट सीरीज खेली जानी बाकी हैं। ऐसे में किसी भी टीम ने फाइनल का टिकट पक्का नहीं किया है। भारत समेत सभी प्रमुख टीमों के पास वापसी का मौका है, लेकिन अब हर मुकाबला फाइनल की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है। न्यूजीलैंड ने अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। हालांकि, कीवी टीम का आगे का सफर आसान नहीं रहने वाला। उसे भारत और श्रीलंका के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर दो-दो टेस्ट खेलने हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर चार और पाकिस्तान में दो टेस्ट मुकाबले खेलने हैं। इस तरह न्यूजीलैंड के सामने अभी आठ टेस्ट मैच बाकी हैं। मौजूदा अंक गणित के अनुसार, इनमें सात जीत हासिल करना उसे शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका की राह में इंग्लैंड सबसे बड़ी चुनौती

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। उसके सात टेस्ट मुकाबले बाकी हैं। इनमें पांच मुकाबले घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं, जबकि श्रीलंका के दौरे पर दो मुकाबले होंगे। घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर दक्षिण अफ्रीका अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज उसके लिए बड़ी परीक्षा होगी। यदि टीम घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करती है तो लगातार दूसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उसकी संभावनाएं बढ़ सकती हैं। दक्षिण अफ्रीका चौथे से पहले अंकतालिका में शीर्ष पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया अब 69.23 पीसीटी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, उसके पास अभी नौ टेस्ट मुकाबले बाकी हैं और यही उसके लिए वापसी का सबसे बड़ा अवसर है। ऑस्ट्रेलिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट घरेलू मैदान पर खेलने हैं। इसके बाद भारतीय दौरे पर पांच टेस्ट की चुनौती उसका इंतजार कर रही है। इन दोनों सीरीज के नतीजे तय करेंगे कि ऑस्ट्रेलिया फाइनल की दौड़ में कितनी मजबूती से बना रहता है। भारत के खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज उसके लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

भारत के लिए सातों टेस्ट जीतना जरूरी

भारतीय टीम के सामने फाइनल में पहुंचने की चुनौती लगातार कठिन होती जा रही है। फिलहाल 51.52 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर मौजूद भारत को पहले न्यूजीलैंड के दौरे पर दो टेस्ट खेलने हैं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच मुकाबलों की सीरीज होगी। भारतीय टीम यदि अपने बाकी सभी सात टेस्ट जीतने में सफल रहती है तो उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 70.37 तक पहुंच सकता है। यह उसे फाइनल की दौड़ में बेहद मजबूत स्थिति में ला सकता है। वहीं, छह जीत के साथ उसका पीसीटी 65 प्रतिशत तक पहुंचेगा। ऐसी स्थिति में टीम को दूसरी टीमों के प्रदर्शन और अंकतालिका के समीकरण पर भी निर्भर रहना पड़ सकता है। सबसे बड़ी चिंता न्यूजीलैंड दौरा है। यदि भारतीय टीम वहां 0-2 से टेस्ट सीरीज गंवा देती है और इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचों मुकाबले जीत भी जाती है तो उसका पीसीटी केवल 59.26 रह जाएगा। ऐसे में फाइनल में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026

महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता खिताब, फाइनल में श्रीलंका को दी मात

अहमदाबाद। कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरी खिताबी जीत दर्ज की है। पहले भारतीय महिला टीम ने फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी अपना दम दिखाते हुए श्रीलंका को 54-20 से करारी शिकस्त दी। इस तरह भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद में खेले गए पुरुष वर्ग के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स के शानदार तालमेल के सामने श्रीलंकाई टीम पूरे मुकाबले में संघर्ष करती नजर आई। फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से आदित्य शिंदे सबसे सफल रेडर रहे। उन्होंने 14 रेड में 10 रेड पॉइंट हासिल किए, जिनमें चार बोनस पॉइंट भी शामिल थे। भरत हुड्डा ने आठ रेड पॉइंट का योगदान दिया। उन्होंने दूसरे हाफ में सात रेड कीं और इस दौरान एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने छह, जबकि टीम के उपकप्तान नवीन कुमार ने पांच अंक जुटाए। वहीं, डिफेंस में योगेश दहिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हाई-फाइव लगाया। उन्होंने पहले हाफ में ही पांच सफल टैकल किए। इसके अलावा शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने दो-दो टैकल पॉइंट हासिल किए।

टेस्ट सीरीज से ठीक पहले यशस्वी जायसवाल का फ्लॉप शो जारी!

अनऑफिशियल टेस्ट में लगातार तीसरी पारी में खामोश रहा बल्ला, बढ़ा दबाव

नई दिल्ली., एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम के स्टार ओपनर यशस्वी जायसवाल की खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी है। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले ही दिन यशस्वी एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। दौरे पर लगातार तीसरी पारी में उनका बल्ला खामोश रहा, जिसके चलते टेस्ट सीरीज से पहले उनके ऊपर दबाव काफी बढ़ गया है। यशस्वी जायसवाल जिस तरीके से अपना विकेट गंवा रहे हैं उस पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत-ए की शुरुआत बेहद खराब रही। मैच के पहले ही ओवर में तेज गेंदबाज फेजर शीट ने यशस्वी जायसवाल को एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। पहले अनऑफिशियल टेस्ट की दोनों पारियों में महज 22 रन (17 और 5) बनाने वाले यशस्वी इस बार भी खाता खोले बिना या सस्ते में निपट गए। यशस्वी के आउट होने के बाद देवदत्त पडिक्कल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की। सुदर्शन अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन जारोड मैके की बाहर जाती गेंद पर गैर-जिम्मेदाराना शॉट खेलकर कैच दे बैठे। इसके बाद यश राजीव भी बाहर की गेंद से छेड़छाड़ करने के चक्कर में आउट हो गए।

पडिक्कल ने खेली 80 रनों की पारी

पहले मैच में शानदार खेल दिखाने वाले कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने एक बार फिर जिम्मेदारी उठाई और 80 रनों की ठोस पारी खेली। हालांकि, वह अपनी इस पारी को शतक में नहीं बदल सके और कट शॉट मारने के प्रयास में गेंद को अपने ही स्टंप्स पर दे मारे। इसके तुरंत बाद स्मरण रविचंद्रन अंदर आती गेंद को लीव करने की गलती कर बैठे और बिना खाता खोले पहली ही गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। भारत-ए के बल्लेबाजों के खराब शॉट सिलेक्शन की वजह से टीम ने लगातार अंतराल पर अपने विकेट गंवाए। भारत-ए ने अपनी पहली पारी में 88 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। पारी के दौरान यशस्वी जायसवाल (0) और स्मरण रविचंद्रन (0) अपना खाता नहीं खोल सके।

टीम संयोजन के फॉर्मूले पर गंभीर सवाल

न्यूजीलैंड ने आखिरकार पांच मैचों की टी-20 सीरीज में जीत का खाता खोल लिया है। शुक्रवार को ऑकलैंड में खेले गए चौथे टी-20 मुकाबले में मेजबान टीम ने भारतीय टीम को 87 रन से करारी शिकस्त दी। दोनों टीमें अब हैमिल्टन के मैदान पर सीरीज की आखिरी भिड़ंत में फिर आमने सामने होंगी। ऐसे में टीम इंडिया के लिए आज के मैच में जीत-हार से कहीं ज्यादा चर्चे एकादश को लेकर हो रहे हैं। लगातार तीन मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम इंडिया की हार ने एक बार फिर उसके टीम संयोजन और रणनीतिक फॉर्मूले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भले ही गंभीर सेना सीरीज में अजेय बढ़त हासिल कर चुकी हो, लेकिन चौथे मुकाबले की हार ने यह साफ कर दिया कि जीत के बीच भी टीम की कुछ कमजोरियां लगातार नजरअंदाज की जा रही थीं। हरअसल, टीम मैनेजमेंट का 3 विशेषज्ञ गेंदबाज, 3 ऑलराउंडर और 5 बल्लेबाजों के साथ मैदान में उतरने का फॉर्मूला बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर भले ही कारगर साबित होता हो, लेकिन जब विकेट गेंदबाजों के लिए थोड़ी भी मददगार होती है, तब यही संयोजन टीम के लिए मुसीबत बन जाता है। कांट्रेक्ट बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी रही है, लेकिन सिर्फ बल्लेबाजी की गहराई बढ़ाने के चक्कर में गेंदबाजी की मजबूती से समझौता करना भारी पड़ सकता है। अगर ऑकलैंड मुकाबले की बात करें तो अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी और नमन धीर जैसे 33 ऑलराउंडरों ने अंत ओवर में 123 रन लुटा दिए। यही वह कमजोर कड़ी थी, जिसने टीम इंडिया के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह बेअसर कर दिया। सवाल यह है कि क्या 3 विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ दो अतिरिक्त गेंदबाजों का जिम्मा ऐसे ऑलराउंडरों को सौंपना सही है, जिनकी गेंदबाजी पर टीम हर हालात में भरोसा नहीं कर सकती? मेरे हिसाब से टीम संयोजन में अक्षर पटेल की भूमिका को लेकर भी स्पष्टता जरूरी है। उन्हें या तो पांचवें गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए या सातवें नंबर के बल्लेबाज का किरदार मिलना चाहिए। फिलहाल उन्हें चौथे गेंदबाज और आठवें बल्लेबाज की दोहरी भूमिका में रखा जा रहा है। यह रणनीति तभी सफल हो सकती है, जब बाकी ऑलराउंडर पांचवें गेंदबाज की भूमिका निभाने में सक्षम हों। यदि ऐसा भरोसा नहीं है तो टीम को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करना ही होगा। तीसरे इसके अलावा अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों को जरूरत के मुताबिक गेंदबाजी में आजमाकर छह बल्लेबाजों और पांच प्रभावी गेंदबाजों का संतुलन कम से कम टी20 में तो तैयार किया जा सकता है। समस्या यह है कि हेड कोच गौतम गंभीर अपनी रणनीतियों और प्रयोगों को लेकर काफी अड़ियल नजर आते हैं। उनकी सोच और क्रिकेट को देखने का नजरिया अपनी जगह सही हो सकता है, लेकिन किसी भी सफल टीम की पहचान सिर्फ उसकी जीत से नहीं, बल्कि हालात के मुताबिक बदलाव करने की क्षमता से भी होती है। लगातार जीत के बाद मिली ऐसी करारी हार को महज एक खराब दिन कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। अगर टीम मैनेजमेंट अपने संयोजन के फॉर्मूले की समीक्षा नहीं करता है तो बड़े मुकाबलों में यही कमजोरी भारतीय टीम की राह में बाधा बन सकती है। अब टीम इंडिया को पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले टी-20 का अंतिम मुकाबला खेलना है। सीरीज के लिहाज से इस मैच के नतीजे का बहुत ज्यादा महत्व नहीं होगा, लेकिन भारतीय टीम के लिए यह अपने संयोजन की खामियों को परखने का आखिरी मौका है। लगातार तीन हार के बाद चौथे मुकाबले में मिली जीत से न्यूजीलैंड टीम का मनोबल जरूर बढ़ा होगा। अब यदि मेजबान टीम इस लय को बरकरार रखती है तो टीम इंडिया के लिए वनडे फॉर्मेट की चुनौती भी आसान नहीं रहने वाली। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को टीम संयोजन के पुराने फॉर्मूले पर अड़े रहने के बजाय आज के मैच में अपनी रणनीति की समीक्षा करनी होगी।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

साइफर्ट ने 93 रन बनाए ; श्रेयस-ईशान की फिफ्टी बेकार, टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती

□ एजेंसी हैमिल्टन

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां टी-20 मुकाबला 7 विकेट से हार गई है। हालांकि टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हैमिल्टन में कीवी टीम ने 192 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 18 ओवर में चेज कर लिया।

टिम साइफर्ट ने 50 बॉल पर 93 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रन की पारी खेली। भारत से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी को 1-1 विकेट मिले।

इससे पहले शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 191 रन बनाए। ईशान किशन ने 32 बॉल पर 61 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 23 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड से एडम मिल्ने ने 4 विकेट लिए। मैच का स्कोरबोर्ड

ग्लेन फिलिप्स प्लेयर ऑफ द सीरीज बने

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने 5 मैचों की सीरीज में 341 रन बनाए।

एडम मिल्ने प्लेयर ऑफ द मैच बने

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 19 रन देकर 4 विकेट लिए। मिल्ने ने अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, नीतीश कुमार रेड्डी और भुवनेश्वर कुमार को आउट किया।

फिलिप्स ने नाबाद 65 रन बनाए, न्यूजीलैंड जीती

न्यूजीलैंड ने पांचवें टी-20 में भारत को 7 विकेट से हरा दिया। ग्लेन फिलिप्स ने 18वें ओवर में लगातार दो चौके लगाकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 38 गेंदों पर नाबाद 65 रन बनाए।

साइफर्ट 93 रन बनाकर बोल्ड, शतक से चूके

15.3 ओवर में न्यूजीलैंड को तीसरा झटका लगा। नीतीश कुमार रेड्डी ने टिम साइफर्ट को बोल्ड कर दिया। साइफर्ट 50 गेंदों पर 93 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 5 छक्के लगाए। साइफर्ट ने शॉर्ट और वाइड गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर लेग स्टंप से टकरा गई।

फिलिप्स ने वरुण चक्रवर्ती के ओवर में लगाए 2 छक्के

न्यूजीलैंड ने 15वें ओवर में 13 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने वरुण चक्रवर्ती की पहली और तीसरी गेंद पर छक्के लगाए। उन्होंने पहला छक्का लॉन्ग ऑन के ऊपर से और दूसरा एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से जड़ा। तीसरी गेंद पर उनका शॉट 93 मीटर दूर जाकर गिरा। इसी ओवर में संजू सैमसन ने फिलिप्स का कैच भी छोड़ा। उन्होंने वरुण की गेंद पर कट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथों से छिटक गई।

चक्रवर्ती के ओवर में 4 चौके लगे

13वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने 18 रन खर्च कर दिए। उनके इस ओवर में 4 चौके लगे। 3 चौके टिम साइफर्ट और एक ग्लेन फिलिप्स ने लगाए।

साइफर्ट ने अर्शदीप सिंह की बॉल पर लगातार दो चौके लगाए

12वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने 11 रन खर्च कर लिए। उनके ओवर की आखिरी 2 बॉल पर टिम साइफर्ट ने लगातार दो चौके लगाए।

न्यूजीलैंड का स्कोर 100 पार हुआ

11वें ओवर में न्यूजीलैंड ने 100 रन का आंक?ा हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा की पहली गेंद पर ग्लेन फिलिप्स ने चौका लगाया। इसी चौके से टीम का स्कोर ट्रिपल डिजिट में पहुंच गया।

साइफर्ट ने एक छक्का और एक चौका लगाया

अभिषेक शर्मा के ओवर की पहली गेंद पर ग्लेन फिलिप्स ने चौका लगाया। पांचवीं गेंद पर टिम साइफर्ट ने छक्का जमाया। इस ओवर में न्यूजीलैंड ने 13 रन बटोरे। साइफर्ट 39 गेंदों पर 65 रन बनाकर खेल रहे हैं।

साइफर्ट ने छक्का लगाकर फिफ्टी पूरी की

नीतीश कुमार रेड्डी के ओवर की पहली गेंद पर टिम साइफर्ट ने स्कूप शॉट खेलकर छक्का लगाया और सीरीज की पहली फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 36 गेंदों पर अर्धशतक बनाया। ओवर की आखिरी गेंद पर साइफर्ट ने चौका भी लगाया। इस ओवर में न्यूजीलैंड ने 12 रन बनाए।

डेरिल मिचेल ने 16 गेंदों पर 29 रन बनाए

वरुण चक्रवर्ती ने 9वें ओवर की तीसरी गेंद पर डेरिल मिचेल को पवेलियन भेज दिया। मिचेल ने फुल लेंथ गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले पर सही से नहीं आई।

लॉन्ग ऑफ पर खड़े अभिषेक शर्मा ने आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। मिचेल 16 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 4 छक्के लगाए।

वरुण के पहले ओवर में 10 रन आए

पावरप्ले खत्म होने के बाद वरुण चक्रवर्ती को गेंदबाजी पर लाया गया है। टिम साइफर्ट ने वरुण चक्रवर्ती की 5वीं गेंद पर छक्का लगाया।

भुवनेश्वर के ओवर में 2 छक्के, 2 चौके लगे

पावरप्ले के आखिरी ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने 20 रन खर्च कर दिए। उनके इस ओवर में 2 चौके और 2 छक्के लगे। इसी ओवर में टिम साइफर्ट और डेरिल मिचेल ने फिफ्टी पार्टनरशिप की।

प्रिंस यादव की बॉल पर लगातार 2 छक्के

5वें ओवर में प्रिंस यादव की बॉल पर लगातार दो छक्के लगे। डेरिल मिचेल ने पहली बॉल पर मिडविकेट और दूसरी बॉल पर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाया।

साइफर्ट को जीवनदान, नमन धीर से कैच छूटा

चौथे ओवर में नमन धीर ने टिम साइफर्ट का कैच छो? दिया। अर्शदीप की तीसरी बॉल पर साइफर्ट ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर डीप थर्ड की ओर गई। वहां धीर ने आसान कैच छोड़ दिया। यहां साइफर्ट 13 रन पर खेल रहे थे।

भारत बना पहला कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियन

:पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया; महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से मात देकर जीता गोल्ड

□ एजेंसी मीरपुर

भारत ने अहमदाबाद में शनिवार (31 अक्टूबर) को पहले कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 में डबल टाइटल जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 54-20 से हराकर पहला कॉमनवेल्थ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, महिला टीम ने युगांडा को 35-15 से शिकस्त देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताब जीते। पुरुष टीम ने लगातार 8 मुकाबले जीते, जबकि महिला टीम ने सभी 6 मैच अपने नाम किए।

पुरुष टीम ने श्रीलंका को 54-20 से हराया

पुरुषों के फाइनल में एशियन चैंपियन भारत ने शुरुआत से ही श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा। भारत के स्टार रेडर आदित्य शिंदे ने 14 रेड में 10 अंक हासिल कर सुपर 10 पूरा किया। इसमें 4 बोनस अंक भी शामिल रहे।

भारत हुड्डा ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 रेड में 8 अंक जोड़े। वे पूरे मैच में एक बार भी टैकल नहीं हुए। पंकज मोहिते ने 6 और उप-कप्तान नवीन कुमार ने 5 अंक का योगदान दिया। डिफेंस में योगेश दहिया ने 5 टैकल अटेम्प्ट्स में 5 सफल टैकल कर हाई-5 लगाया। शुभम शिंदे, कप्तान सुरजीत सिंह, प्रवेश मलिक और दीपक शंकर ने भी 2-2 टैकल पॉइंट्स हासिल किए।

भारत ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया

भारतीय टीम ने मैच में 30 रेड और 14 टैकल पॉइंट्स हासिल किए। टीम ने श्रीलंका को 4 बार ऑल-आउट किया, जबकि खुद एक बार भी ऑल-आउट नहीं हुई।

पहले हाफ में भारत ने 15-8 की बढ़त बनाई। इसके बाद टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए हाफ-टाइम तक स्कोर 30-10 कर दिया। दूसरे हाफ में भी भारत ने 24 अंक जुटाए, जबकि श्रीलंका 10 अंक ही बना सका। श्रीलंका की टीम ने पूरे मैच में 41 रेड में सिर्फ 7 सफल रेड कीं। उसके लिए मदुवंता ने सबसे ज्यादा 6 टैकल पॉइंट्स बनाए। श्रीलंका के रेडर्स भारतीय डिफेंस के सामने संघर्ष करते नजर आए।

गम्हरिया थाने में महिला से कथित दुष्कर्म पर भड़की भाजपा, मां चंचला चौक पर फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

महिला सम्मान और सुरक्षा पर सरकार विफल, जामताड़ा भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकताओं ने मांगा मुख्यमंत्री से जवाब

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : झारखंड राज्य के सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना में शिकायत लेकर पहुंची महिला के साथ कथित दुष्कर्म की घटना के विरोध में भाजपा ने रविवार को जामताड़ा में जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण के नेतृत्व में भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकताओं ने मां चंचला चौक पर झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने घटना को बेहद गंभीर बताते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। वही भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सोरेन ने कहा कि गम्हरिया थाना में एक पीड़ित महिला अपने साथ हुई परेशानी की शिकायत लेकर पहुंची थी, लेकिन वहां पुलिसकर्मी द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। यह बेहद शर्मनाक और चिंताजनक घटना है। उन्होंने कहा कि थाना ऐसा स्थान है, जहां आम लोग खुद को सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं।

यदि सुरक्षा देने वाली जगह पर ही महिलाओं के साथ इस तरह की घटना हो तो आम महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन जनता को गुमराह कर सत्ता में बने हुए हैं, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा महिला मोर्चा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। वहीं भाजपा जिला मंत्री आभा आर्या ने कहा कि अपने पति से प्रताड़ित महिला जब न्याय की उम्मीद लेकर गम्हरिया थाना पहुंची तो वहां उसके साथ दुष्कर्म की घटना होना पूरे पुलिस प्रशासन और कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो पीड़ित महिलाएं आखिर न्याय की गुहार किससे लगाएंगी।

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए कानून को सख्ती से लागू करना जरूरी है। उन्होंने मांग की कि इस मामले में आरोपी पुलिसकर्मी को केवल निलंबित करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी पुलिसकर्मी इस तरह की हरकत करने का साहस न कर सके। उन्होंने इस घटना के लिए राज्य सरकार की कानून व्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा नेत्री गीता मंडल ने भी घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि गम्हरिया थाना में महिला के साथ हुई कथित दुष्कर्म की घटना पूरे झारखंड को शर्मसार करने वाली है।

उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के स्तर पर इस तरह की घटना सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं और महिला मोर्चा के कार्यकताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग की। नेताओं ने कहा कि महिलाओं को न्याय और सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि पुलिस थाने में ही महिलाएं सुरक्षित नहीं रहेंगी तो राज्य में कानून व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कैसे कायम रहेगा। मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संतन मिश्रा, भाजपा नेता तरुण कुमार गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष मोहन शर्मा, प्रवीण मिश्रा उर्फ डब्लू मिश्रा, अबीता हांसदा, नियति सिन्हा, रीना दास, विरमा देवी, रानी देवी, रुमा देवी, कल्याणी देवी, सुनीता राउत, प्रदीप राउत, चंदन राउत,राजेंद्र राउत, पिंटू गुप्ता, राजेश यादव, लोकेश महतो, प्रवीण मिश्रा, गिरधारी मंडल, सुबोजीत मंडल, ब्रजेश राउत, लखिन्द्र सिंह, चंचल, बापी दास, आकाश साव, विनोद चौबे, राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समाचार सार

गोवंशीय पशु तस्करी पर बड़ा प्रहार,10 पशु बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

मेदिनीनगर (रफ्तार मीडिया संवाददाता): पलामू में गोवंशीय पशुओं की अवैध तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विश्रामपुर थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक बोलेरो पिकअप वाहन से अवैध रूप से ले जाए जा रहे 10 गोवंशीय पशुओं को बरामद किया है। वहीं, मौके से वाहन चालक गुड्डू कुमार (24 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी बिहार के रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव का निवासी बताया गया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त सफेद रंग की बोलेरो पिकअप (बिहार44GA5566) और एक विवो मोबाइल फोन भी जब्त किया है। इस मामले में विश्रामपुर थाना कांड संख्या 87/2026 के तहत बीएनएस, झारखंड गोवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम एवं पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय गोप, थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार दुबे, एएसआई नरसिंह उरांव सहित पुलिस बल शामिल थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में तीन गिरफ्तार, पुलिस की त्वरित कार्रवाई, दो टोटो और तीन मोबाइल जब्त

मेदिनीनगर (रफ्तार मीडिया संवाददाता): पलामू के उंटारी रोड थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर को लकड़ाही गांव से हुसैनाबाद जाने के दौरान टोटो में सवार तीन लोगों पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म का आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर विश्रामपुर एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल गठित किया गया। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर घटना से संबंधित दो टोटो और तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सुधोध दीक्षित (38), मुकेश दीक्षित (26) और अभय दीक्षित (20), तीनों निवासी भदुमा, उंटारी रोड के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तीनों को 1 नवंबर को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में पॉक्सो एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना ने एक बार फिर महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

जेटेट-2026 की परीक्षा जिले के 72 केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न

बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट)-2026 जिले के सभी 72 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।परीक्षा के दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने सेक्टर-4 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल तथा चास मुफस्सिल स्थित डॉ. एस राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन समेत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्राधीक्षकों से परीक्षा संचालन एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। डीसी - एसपी ने परीक्षा को पूरी तरह कदाचारमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने तथा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। जेटेट-2026 की परीक्षा जिले में दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा के नोडल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन ने बताया कि प्रथम पाली (कक्षा 06 से 08) में कुल 31326 परीक्षार्थियों में से 26234 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 5092 अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली (कक्षा 01 से 05) में कुल 14855 परीक्षार्थियों में से 12665 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 2190 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन की सतर्कता, बेहतर समन्वय एवं सुदृढ़ व्यवस्था के फलस्वरूप जिले के सभी 72 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई।

रोजगार और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर विस्थापित ग्रामीणों का प्रदर्शन

बालूमाथ (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। मगध-संघमित्रा कोल परियोजना के विस्थापित ग्रामीणों ने रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर रविवार को आरा गांव में जोरदार प्रदर्शन किया। सीसीएल की मगध कोलियरी से प्रभावित आरा, चमातू और फुलबसिया गांवों के हजारों ग्रामीण टोकरी और बेलचा लेकर सड़क पर उतर आए और सीसीएल महाप्रबंधक कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने टोकरी और बेलचा की मदद से कई ट्रकों में स्वयं कोयले की लोडिंग भी की। ग्रामीणों का कहना था कि उनकी जमीन पर कोयले का उत्पादन किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय विस्थापितों को रोजगार का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने मशीनों के बजाय स्थानीय मजदूरों से कोयले की लोडिंग कराने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रोजगार और हक-अधिकार की मांग करने पर उनकी आवाज को रंगदारी का नाम देकर बदनाम करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि परियोजना से प्रभावित होने के बावजूद स्थानीय लोगों को रोजगार और जरूरी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने सीसीएल प्रबंधन से जल्द से जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल करने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

लातेहार में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन, युवाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, लोक नृत्य और लोक गायन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार। निदेशालय, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार तथा उपायुक्त के निदेर्शानुसार 31 अक्टूबर को लातेहार में जिला स्तरीय युवा महोत्सव 2026 का सफल आयोजन किया गया। महोत्सव में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान युवाओं ने अपनी कला, रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपर समाहर्ता सलमान जाफर, अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार एवं जिला खेल पदाधिकारी अविनेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। मौके पर अपर समाहर्ता सलमान जाफर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा महोत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति और सामाजिक समरसता का उत्सव है। लातेहार के युवाओं ने अपनी प्रतिभा से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ऐसे आयोजन युवाओं के आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा प्रदान करते हैं।महोत्सव के दौरान चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, सामूहिक लोक नृत्य एवं सामूहिक लोक गायन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला और हुनर से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिताओं में ये रहे विजेताचित्रकला प्रतियोगिता में अभिजीत कुमार ने प्रथम, धनिता कुमारी ने द्वितीय एवं आयुष कुमार शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता लेखन में राजनंदिनी कुमारी प्रथम, नैन्सी कुमारी द्वितीय एवं रेशमी परवीन तृतीय स्थान पर रहीं। नुक्कड़ नाटक में शर्मिला कुमारी एंड ग्रुप ने प्रथम तथा लातेहार ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक लोक नृत्य में विनीता कुमारी एंड ग्रुप प्रथम, ग्रामीण ग्रुप पाण्डेयपुरा द्वितीय तथा अनीसा कुमारी एंड ग्रुप (एसटी हॉस्टल, लातेहार) तृतीय स्थान पर रहा। वहीं सामूहिक लोक गायन में अनीसा एंड ग्रुप ने प्रथम तथा स्वरांजलि संस्कृति संस्थान, लातेहार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मेरा युवा भारत , लातेहार के राष्ट्रीय स्वयंसेवकों, जिला खेल समन्वयक लक्षेश्वर मंडल, जिला पर्यटन विशेषज्ञ नरेंद्र कुमार सहित अंकित कुमार, विकास कुमार एवं आलोक कुमार का सराहनीय योगदान रहा। वहीं विद्यालयों के शिक्षक-जजों ने निष्पक्ष मूल्यांकन कर प्रतियोगिताओं को सफल बनाया। महोत्सव में विजेता प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में लातेहार जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

लातेहार जिले के 18 केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा

उपायुक्त संदीप कुमार एवं एसपी कुमार गौरव ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

रफ्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट)-2026 रविवार, 1 नवंबर को लातेहार जिले में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर जिले के लातेहार, चंदवा एवं मनिका प्रखंड में कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सभी केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रथम पाली में कुल 5410 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें 4376 अभ्यर्थी उपस्थित हुए, जबकि 1034 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 80.89 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। वहीं, द्वितीय पाली में कुल 2301 अभ्यर्थियों में से 2040 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 261 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में 88.66 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा के दौरान उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन की ओर से सभी केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बिजली एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई थी। परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी। जिला प्रशासन के अनुसार, परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। किसी भी परीक्षा केंद्र से कदाचार अथवा अनियमितता की सूचना नहीं मिली। उपायुक्त संदीप कुमार ने सफलतापूर्वक कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने को लेकर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शुभकामनाएं दीं।

झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स की ऑनलाइन बैठक संपन्न, राज्य के हर जिले में संगठन की मजबूती पर चर्चा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची : झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स की एक ऑनलाइन बैठक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित की गयी। इसमें मूल रुप से विभिन्न जिलों में संगठन को मजबूती देने तथा सदस्यता अभियान चलाने पर चर्चा हुई। बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि सदस्यता अभियान चलाने के तहत नये सदस्यों को आचरण और अनुशासन पर खास ध्यान दिया जाए। यह चर्चा हुई की पत्रकारिता में अनेक ऐसे तत्व आ गये हैं, जो आये दिन पेशेवर पत्रकारों के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। लिहाजा ऐसे तत्वों को संगठन से दूर रखने की जरूरत है। कई सदस्यों का सुझाव आया कि हर जिला में प्रदेश के पदाधिकारी क्रमवार ढंग से दौरा करें और उसी तिथि को वहां बैठक का भी आयोजन किया जाए। संगठन में प्रमुख सदस्यों ने साफ किया कि सदस्यता बढ़ाने का अर्थ भीड़ बढ़ाना नहीं है। अनेक ऐसे कथित पत्रकार हैं, जो हर संगठन में घूमते रहते हैं, ऐसे लोगों से अब संगठन को दूरी बनाकर चलना चाहिए। दीपावली और छठ पूजा के बाद इस अभियान को गति देने की बात तय की गयी। यह भी चर्चा में आया कि दिसंबर में राज्य सरकार का पत्रकारों की मांगों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए एक बड़ा प्रदर्शन रांची में आयोजित किया जाना है। पहले भी कई बार दिवंगत पत्रकारों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया था। इन पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इसलिए पत्रकारों के मार्च के जरिए सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्षित किया जाएगा। यह बताया गया कि इस प्रदर्शन में राज्य के अलावा दूसरे राज्यों के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष रजत कुमार गुप्ता ने की। बैठक में संगठन मंत्री शिव कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव नयनम के उमेश प्रताप, प्रदीप अग्रवाल, विनय राज, मनोज मिश्र, सुधाकर झा, गौरीशंकर झा,शिव शंकर कुमार, सुदीप सिंह, राजेश प्रसाद, जावेद अख्तर, अमित राज, रमेश सिंह, कैलाश यादव, मुन्ना यदुवंशी, अरविंद कुमार शामिल हुए।

शिकारीपाड़ा मुख्य बाजार में स्टेशनरी दुकान में लगी भीषण आग

शिकारीपाड़ा /दुमका : दुमका जिले शिकारीपाड़ा मुख्य बाजार स्थित बिनोद पाल के स्टेशनरी दुकान में रविवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से फ्रिज समेत दुकान में रखा लाखों रुपये का सारा सामान बुरी तरह जलकर राख हो गया। घटना के समय आसपास के दुकानदारों और ग्रामीणों ने भारी मशक्कत कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक पूरी दुकान जलकर स्वाहा हो चुकी थी। आशंका लगाया जा रहा है कि आग शार्टसर्किट के कारण लगा होगा। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रखंड मुख्यालय में एक भी दमकल (फायर ब्रिगेड) की गाड़ी नहीं है, जिसके कारण आपात स्थिति में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। दुमका से दमकल वाहन के पहुंचने तक सब कुछ उजड़ चुका होता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रखंड मुख्यालय में कम से कम एक दमकल की गाड़ी स्थायी रूप से तैनात की जाए। दुकान के स्वामी ने बताया दुकान में फ्रिज, गिफ्ट का समान, खिलौना, आदि विभिन्न प्रकार की समान थी। अनुमान लगाया जा रहा है करीब 3 लाख के से ज्यादा का समान जला है।

हजारीबाग में जाम से राहत की पहल, वन-वे व्यवस्था का ट्रायल शुरू

बुढ़वा महादेव, गाड़ीखाना और बंशीलाल चौक को जोड़कर बनाया गया यातायात का नया घेरा, तीन प्रमुख चौकों पर बदलेगा वाहनों का रास्ता

अस्पताल के पास बने पार्किंग स्थल पर खड़े होंगे वाहन, सड़क पर ऑटो रोककर सवारी चढ़ाने-उतारने पर कार्रवाई की चेतावनी

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग : शहर में लगातार लगने वाले जाम से निजात दिलाने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस एवं नगर निगम ने पहल शुरू की है। शनिवार को शहर के प्रमुख चौकों पर वाहनों के परिचालन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से वन-वे व्यवस्था का परीक्षण शुरू किया गया। इसके तहत बुढ़वा महादेव चौक, गाड़ीखाना चौक और बंशीलाल चौक को जोड़कर यातायात का नया घेरा तैयार किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब इन मार्गों पर वाहनों को निर्धारित दिशा में ही चलना होगा। सीसीआर डीएसपी एकरामुल हक ने बताया कि बुढ़वा महादेव चौक से आने वाले वाहन सीधे बंशीलाल चौक की ओर नहीं जा सकेंगे। उन्हें पहले गाड़ीखाना चौक और फिर बंशीलाल चौक होकर आगे जाना होगा। वहीं, झंडा चौक से बस स्टैंड की ओर जाने वाले वाहनों को बंशीलाल चौक से बाएं मुड़कर गाड़ीखाना चौक और बुढ़वा महादेव चौक होते हुए पुराने बस स्टैंड की ओर जाना होगा। इस मार्ग परिवर्तन का मुख्य उद्देश्य तीनों प्रमुख चौकों पर वाहनों के दबाव को कम करना और जाम की समस्या से राहत दिलाना है।

सफल रहा ट्रायल तो अन्य मार्गों पर भी लागू होगी व्यवस्था

महापौर अरविंद राणा ने बताया कि फिलहाल वन-वे व्यवस्था को परीक्षण के तौर पर शुरू किया गया है। इसके परिणामों का आकलन करने के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। यदि यह व्यवस्था सफल रहती है, तो शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर भी चरणबद्ध तरीके से वन-वे व्यवस्था लागू करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के कारण यातायात प्रभावित होता है। इसे देखते हुए सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटाकर अस्पताल के पास तैयार किए गए निर्धारित पार्किंग स्थल पर लगवाया जाएगा। इससे मुख्य सड़क पर वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सकेगी।

ऑटो चालकों को चेतावनी, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ऑटो चालकों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। सीसीआर डीएसपी एकरामुल हक ने कहा कि ऑटो चालक सड़क पर कहीं भी वाहन रोककर सवारी नहीं चढ़ाएं और न ही उतारें। इससे सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना नंबर प्लेट वाले ऑटो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े नहीं करने की अपील की है। शहर की बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के बीच यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। ऐसे में वन-वे व्यवस्था के परीक्षण को जाम की समस्या से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि जरूरत के अनुसार अन्य मार्गों को भी चिह्नित कर यातायात व्यवस्था में बदलाव किए जाएंगे।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।